



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 140]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 25, 1983/भाद्र 3, 1905

No. 140]

NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 25, 1983/BHADRA 3, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 33-आई टी सी (पीएन)/83

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1983

विषय :—तमिलनाडु राज्य माइक्रो हाइड्रो पावर स्टेशन निर्माण
परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 2.0 बिलियन
येन के येन ऋण के अंतर्गत माल और सेवाओं के
आयात के संबंध में लाइसेंस शर्तें ।

निसल सं. आईपीसी/23(5)/83.—जापान की विदेशी
आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा तमिल नाडु राज्य
माइक्रो हाइड्रो पावर स्टेशन विनिर्माण परियोजना के कार्यान्वयन
के लिए 2.0 बिलियन येन के येन ऋण के अंतर्गत माल और
सेवाओं के आयात के संबंध में जो लाइसेंस शर्तें इस सार्वजनिक
सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, वे जानकारी के लिए अधि-
सूचित की जाती हैं ।

पी. सी. जैन, मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

वाणिज्य विभाग की सार्वजनिक सूचना सं. 33-आईटीसी(पीएन)/
83 का परिशिष्ट

दिनांक 25 अगस्त, 1983

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ)
द्वारा तमिलनाडु राज्य माइक्रो हाइड्रोपावर स्टेशन निर्माण परि-

637 GI/83-1

योजना के कार्यान्वयन के लिए 2.0 बिलियन येन के ऋण के
अंतर्गत माल और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंस शर्तें:—

खंड—1 सामान्य शर्तें

1 (1) तमिलनाडु राज्य माइक्रो हाइड्रो पावर स्टेशन निर्माण
परियोजना की आयात आवश्यकताओं को निस्तदान करने के लिए
जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा
प्रदान किया गया 2.0 बिलियन येन का ऋण भारत और जापान
सहित अन्य विकासशील देशों के लिए खुला है । तदनुसार, इस
क्रेडिट के अधीन अधिप्राप्त की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं
जापान और अनुबंध-1 की सूची में उद्धृत सभी देशों से आयात की
जा सकती हैं । ये देश इस ऋण के अंतर्गत पात्र श्रोत देश
होंगे ।

1(2) क्रेडिट के अधीन केवल उन्हीं मदों और उरी मूल्य के
लिए लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महानिदेशालय,
तकनीकी विकास/पूँजीगत माल समिति द्वारा विशेष रूप से
निकासी कर दी गई हो । इस क्रेडिट के अधीन जारी किए गए
आयात लाइसेंस (मों) का मूल्य येन 2200 मिलियन (लागत-बीमा-
भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए ।

आयात लाइसेंस का रुपए में मूल्य, राजस्व विभाग (सीमा-
शल्क) द्वारा अधिसूचित विनिर्णय दर और आयात लाइसेंस
जारी करने की तिथि को प्रचलित दर और मुख्य नियंत्रक, आयात-
निर्यात द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना सं 78-
आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा-2 के

(1)

अनुसार आयात लाइसेंस में संकोचित दर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख है कि सीमाशुल्क प्राधिकारी और विदेशी मूद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (सौ) में विनिर्दिष्ट मूद्रा विनिमय दर पर लाइसेंस मूल्य के नामे डालेंगे। लाइसेंस पर एक शीर्षक "जापानी येन श्रृण सं. आईडीपी-23" होगा। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस में "एस/जेसी" कोड होगा। तमिलनाडु बिजली बोर्ड (टी.एन.ई.बी.) को आयात लाइसेंस भेजते समय मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पत्र में भी इसे दुहराया जाएगा, जिसकी एक प्रति वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पृष्ठांकित की जानी चाहिए।

1(3) लागत-बीमा-भाड़ा के आधार पर केवल (जे.एन.ई.बी.) के नाम में आयात लाइसेंस जारी किया जा सकता है।

1(4) टी. एन. ई. बी. की सुविधा पर निर्भर करते हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस इस क्रेडिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन, कुल मूल्य येन 2200 मिलियन (लागत-बीमा-भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए जैसा कि ऊपर पैरा 1 (1) में कहा गया है।

1(5) आयात लाइसेंस की वैधता में वृद्धि (टी.एन.ई.बी.) द्वारा आवेदन करने पर 31-12-88 तक की जा सकती है। इससे आगे की वृद्धि यदि कोई हो तो उसके लिए आवेदन आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1(6) क्रेडिट के अधीन वित्त दान किए जाने वाले आयात, आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिवत सत्यापित संलग्न माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबंधित है।

1(7) विदेशी मूद्रा के किसी भी परेषण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अभिकर्ता के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अभिकर्ता को भारतीय रुपए में किया जाना चाहिए। लेकिन, ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और इसलिए लाइसेंस पर ही प्रभावित किए जाएंगे।

1(8) पक्के आदेश अनुबंध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरकों को जहाज पर निःशुल्क के आधार पर दिए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए। भाड़ा और पोत प्रभार का भुगतान भारतीय रुपए में भारत में देय होगा। "पक्के आदेशों" का अर्थ विदेशी संभरकों को भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा किए गए उन आदेशों से है जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित हो या भारतीय आयातक और विदेशी संभरक दोनों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित क्रय संविदा हो। विदेशी संभरकों के भारतीय अभिकर्ताओं के आदेश या ऐसे भारतीय अभिकर्ताओं द्वारा पृष्ठांकित आदेश स्वीकार्य नहीं हैं।

1(9) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेके को इस शर्त का तब तक अनपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेके के पूर्ण दस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीनों के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा 1(8) में उल्लिखित पक्के आदेश चार महीनों के भीतर वंध कारणों से नहीं दिए जा सकते हैं तो चार महीनों के भीतर आदेश क्यों नहीं दिए जा सकते, इन कारणों का उल्लेख करते हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी

को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आदेश देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन, यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिए मांगी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निरपवाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग), नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे जो कि ऐसे वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले की पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे जिसको वे लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी वृद्धि प्रदान करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय पदाधिकारी, आयात लाइसेंस के अधीन किए गए संभरण ठेकों में बैंक गारन्टी माफ पत्र स्थापित करने के लिए प्राधिकार पत्र तत्पर रूप से उम्मा कराने आदि की स्वीकृति की सुविधाओं की अनुमति देंगे।

1(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति से चार महीने के भीतर सभी भुगतान अवश्य पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलदान पर अलग-अलग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नुकद आधार पर अर्थात् पोतलदान दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक से भारतीय आयातक को किसी भी किस्म की श्रृण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण की अवधि के लिए ठेके में निम्नलिखित अनुसार व्यवस्था होनी चाहिए।

"माल-पत्र की प्राप्ति के बाद—महीने परन्तु अधिक से अधिक—के अन्त तक पूर्ण किया जाना है। पोतलदान के लिए आखिरी तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 31-3-88 के बाद की न हो।

खण्ड—2 संभरण ठेके का समझौता करते समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें।

2(1) ठेके का अंश पर्यन्त निःशुल्क मूल्य येन में (येन की भिन्न के बिना) अभिव्यक्त होना चाहिए और इसमें भारतीय अभिकर्ता का कमीशन, यदि कोई हो तो वह शामिल नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय रुपए में चुकाना चाहिए।

भारतीय रुपए या किसी अन्य मूद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। क्रय आदेश और संभरक द्वारा पृष्ठांकित आदेश केवल अंग्रेजी में होना चाहिए।

2(2) जे. ई. सी. एफ. येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) के अधीन माल और सेवाएं अभिप्राप्त करने के लिए मुख्य निर्देश अनुबंध-2 में दिए गए हैं। लेकिन, साधारणतया माल और सेवाओं की अभिप्राप्ति औपचारिक सूची अन्तर्राष्ट्रीय संविदा के माध्यम से की जानी चाहिए और निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखा जाना चाहिए :—

(क) बोली लगाने के लिए निमंत्रण भारत में सामान्य रूप से परिचालित होने वाले कम से कम एक समाचार पत्र में विज्ञापित करने पड़ेंगे।

(ख) बोली के बांड या बोली लगाने की गारन्टी की सामान्य आवश्यकता है, परन्तु वह इतनी ऊंची नहीं होनी चाहिए कि उचित बोली लगाने वाले, हतोत्साहित हो जाएं।

(ग) बोली खुल जाने के बाद असफल बोलीकारों को यथा-शीघ्र बोली बांड या गारण्टियां रिहा कर देनी चाहिए ।

2(3) जिन मामलों में औपचारिक खूली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा उचित न हो वहां निधि निम्नलिखित वैकल्पिक क्रिया विधि अपनाएगी :—

(क) जहां आयातक के पास विश्वासनीय कारण हो या अपने उपस्कर का उचित मानकीकरण रखता हो ।

(ख) जहां पर पात्र सम्भरकों की संख्या सीमित हो ।

(ग) जहां अधिप्राप्ति में शामिल धनराशि इतनी कम हो कि निवेशी फर्म स्पष्ट रूप से विलचस्पी न ले या औपचारिक खूली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा के फायदे शामिल प्रशासकीय भार से महत्वपूर्ण हो ।

(घ) ऊपर (क), (ख) और (ग) के अतिरिक्त जहां निधि औपचारिक खूली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा का अनुकरण करना अनुचित समझे या निधि ऐसी प्रक्रिया को अनुपयुक्त समझे उदाहरणार्थ आपात अधिप्राप्ति के मामले में ।

ऊपर संकेतित मामलों में निम्नलिखित अधिप्राप्ति प्रक्रिया इस ढंग से अपनाई जाए जिससे जहां तक उचित हो पूर्ण सम्भाव्य सीमा-शुल्क औपचारिक खूली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा प्रक्रिया का अनुपालन हो सके :—

(1) औपचारिक चूनिन्दा अन्तर्राष्ट्रीय निविदा करना ।

(2) अनौपचारिक अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिक अधिप्राप्ति ।

(3) केवल एक सम्भरक से सीधा क्रय ।

(ड) यदि ऋणी ऋण की रकम में से माल और सेवाओं के वित्तदान के लिए औपचारिक खूली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा से भिन्न अधिप्राप्ति प्रक्रिया अपनाना चाहता है तो वह इसका कारण बताने हुए विधिकृत प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित अधिप्राप्ति की पद्धति के अनुमोदन के लिए निधि को एक आवेदन पत्र प्रस्तुत करेगा ।

(च) माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के लिए बोलियां आमंत्रित करने से पहले ऋणी सभी बोलीकारों को दिए गए नोटिसों और अनुदेशों की प्रतियां, बोली प्रपत्र, ठेके की सामान्य शर्तें, विशिष्टकरणों और ड्राइंग्स और बोली से सम्बन्धित अन्य सभी दस्तावेज निधि द्वारा अनुमोदन के लिए उस को प्रस्तुत करेगा ।

टी. एन. ई. बी., को चाहिए कि वे तत्काल ही बोलीकारों को तीन प्रतियों में सभी सूचनाओं और अनुदेशों, बोली प्रपत्र, निविदा की सामान्य शर्तें, विशिष्टताएं और ड्राइंग्स और बोली से सम्बन्धित अन्य सभी दस्तावेज वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग), को भेज दे जो ऋण समझौते की अनुसूची 4 के पैरा 1(3) में किए गए के अनुसार इसको अनुमोदन के लिए इन दस्तावेजों को ओ. ई. सी. एफ. को भेजेंगे ।

2(4) निवेशी सम्भरक का भुगतान, उनके नाम में भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा 1982-83 के लिए ओ. ई. सी. एफ. यूनैटेड क्रेडिट (परियोजना सहायता) में आई. डी. पी.-23 के अधीन हो गए अपरिवर्तनीय साख पत्र के माध्यम से किया जाना चाहिए जिसका ध्यौरा नीचे खण्ड-8 में दिया गया है ।

2(5) आयात लाइसेंस के प्रति केवल एक ही निविदा की जानी चाहिए । लेकिन, कुछ विशेष मामलों में, एक से अधिक निविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है जिसके लिए आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि के तुरन्त बाद वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए ।

2(6) सम्भरक की पात्रता :—सम्भरक पात्र स्रोतों देशों के राष्ट्रक होंगे या पात्र स्रोत देशों में शामिल किए गए तथा पंजीकृत किए गए पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रकों द्वारा शामिल वैध व्यक्ति होंगे ।

2(7) निविदा में घोषणा :—प्रत्येक निविदा में सम्भरकों द्वारा पात्रता का निम्नलिखित विवरण जोड़ा जाएगा :—

“मैं, अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूं कि सम्भरित 'किया जाने वाला माल'—में (पात्र स्रोत देश) उत्पादित है ।

मैं अधोहस्ताक्षरी आगे यह प्रमाणित करता हूं कि मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार अपात्र स्रोत देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूत्र के अनुसार 30 प्रतिशत (30%) से कम है :—

आयातित लागत-बोमा-भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क $\times 100$
सम्भरक का जहाज पर निःशुल्क मूल्य (जहां लागू हो कारखाना मूल्य) ।”

और

“मैं, अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा मत्यापित करता हूं कि ————— (पात्र स्रोत देश का नाम) में ————— (कम्पनी का नाम) समाविष्ट और पंजीकृत हो चुकी है और पात्र स्रोत देश के राष्ट्रकों द्वारा नियंत्रित है ।”

2(8) अपात्र स्रोत देशों से अनुपेक्षित आयात :—जिन वस्तुओं में अपात्र स्रोत देशों से बनी हुई सामग्री निहित है उसका वित्तदान किया जा सकता है बशर्ते कि निम्नलिखित सूत्र के अनुसार मद-वार आधार पर आयातित भाग 30% से कम हो :—

आयातित लागत-बोमा-भाड़ा मूल्य + आयातक शुल्क $\times 100$
सम्भरक का जहाज पर निःशुल्क मूल्य (भारतीय सम्भरकों के मामले में, कारखाना मूल्य लिया जाएगा) ।

खण्ड—3 : सम्भरण ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली शर्तें

3(1) सम्भरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समाविष्ट होने चाहिए :—

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के बीच तमिलनाडु राज्य माइको हाइड्रो पावर स्टेशन निर्माण (परियोजना सहायता) से सम्बन्धित 23 फरवरी, 1983 को हुए, ऋण समझौते के अनुसार होनी चाहिए और यह भारत सरकार और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के अनुमोदन के अधीन होगा।

(ख) सम्भरकों को भुगतान, भारत सरकार और जापानी विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के बीच येन क्रेडिट सं. आई डी पी-23 से सम्बन्धित 23 फरवरी, 1983 को हुए ऋण समझौते के अन्तर्गत बैंक आफ इण्डिया, टोकियो द्वारा किए जाने वाले अपरिवर्तनीय साख पत्र के माध्यम से दिए जाएंगे।

(ग) विदेशी सम्भरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक ओर भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर ओ ई सी एफ द्वारा ऋण के अधीन अर्पित हो।

(घ) 2(7) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाण पत्र (तीन प्रतियों में)।

3(2) यदि किसी मामले में सम्भरक जापान में स्थित हो तो सम्भरण संविदा के सम्बन्ध में एक धारा होनी चाहिए कि जापानी सम्भरक भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श पर पोत परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए वह भारतीय दूतावास, टोकियो को, शामिल माल की संपूर्णता के कार्यक्रम से अवगत कराएगा और पोत लवान से कम से कम 8 सप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहां भारतीय आयातक इच्छुक हो, सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी सम्भरक को प्रत्येक पोतदान के पश्चात् आवश्यक व्यौरे देते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-4 : विदेशी आर्थिक सहकारिता निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा ठेके का अनुमोदन

4(1) लाइसेंसधारी को पक्के आदेश देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर टी एन ई बी और विदेशी सम्भरकों, दोनों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियां या विदेशी सम्भरकों द्वारा लिखित में पुष्टि आदेश के साथ हो या उनकी हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियां संगत बैंक आयात लाइसेंस की दो प्रतियों सहित, जापान अनुभाग, आर्थिक कार्य विभाग, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि सभी ठेकों के लिए और ठेकों की विषयवस्तु के लिए अनिवार्य आशोधनों के कारण सभी संविदा संशोधनों या उनकी कीमतों पर भी लागू होगी।

4(3) वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) जापान अनुभाग, तमिलनाडु राज्य माइको हाइड्रो पावर स्टेशन निर्माण परियोजना के लिए येन क्रेडिट सं. आई डी पी-23 (परियोजना सहायता) को संविदा दस्तावेजों की एक प्रति उनके अनुमोदन के लिए भेजने की व्यवस्था करेगा।

खण्ड-5. विदेशी सम्भरकों को भुगतान—साख पत्र क्रिया-विधि

5(1) विदेशी आर्थिक सहकारिता निधि (ओ ई सी एफ) से ठेके के अनुमोदन की सूचना मिलने पर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, जापान अनुभाग द्वारा डी. एन. ई. बी और सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक, को उसकी सूचना दे दी जाएगी। उसके बाद टी. एन. ई. बी. को सहायता एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक (जिसके द्वारा बाद टी. ए. ए. एण्ड ए. कहा गया है) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग संमत् मार्ग, नई दिल्ली को अनुबन्ध-3 के रूप में संलग्न प्रपत्र में प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध करना चाहिए। टी. ए. ए. एण्ड ए. सम्बन्धित विदेशी सम्भरक के लिए संलग्न प्रपत्र-4 में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा। जो सम्बद्ध विदेशी सम्भरक के नाम में (वास्तविक आयातों के लिए संलग्न अनुबन्ध-5 के रूप में या) (सेवाओं के लिए) अनुबन्ध-5 के रूप में अपरिवर्तनीय साख पत्र खोलने के लिए भारतीय बैंक टोकियो शाखा को भेजा जाना चाहिए। प्राधिकार पत्र की प्रतियों (विदेशी आर्थिक सहकारिता निधि, ओ ई सी एफ), भारतीय दूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक और जापान अनुभाग, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय को भी पृष्ठांकित की जाएगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर, भारतीय बैंक, टोकियो अनुबन्ध-5 (वास्तविक आयातों के लिए लागू होता है) या 6 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार सम्बन्धित विदेशी सम्भरकों को नाम में अपरिवर्तनीय साख पत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आर्थिक सहकारिता निधि (ओ ई सी एफ) भारतीय दूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक और सहायता एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

टी. ए. ए. एण्ड ए. से प्राधिकार पत्र के आधार पर साख पत्र खोलने के लिए उपयुक्त क्रिया विधि संविदा संशोधन या अन्यथा के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/साख पत्रों के संशोधनों पर स्वतः लागू होगी।

5(3) माल का पोतलदान करने के बाद विदेशी सम्भरक अपने बैंकरो के माध्यम से साखपत्र/में उल्लिखित दस्तावेज भुगतान के लिए बैंक आफ इण्डिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आफ इण्डिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी सम्भरक को उसके बैंकरो के माध्यम से रिहा करेगा और उसके प्राथ आयातों की लागत की धनराशि की प्रतिपूर्ति विदेशी आर्थिक निधि से प्राप्त करेगा।

5(4) साखपत्र के अंतर्गत सौदे तय करने के लिए और साख-पत्र खोलने के लिए बैंक आफ इण्डिया, टोकियो को चुकाए जाने वाले बैंक प्रभार और यदि कोई हो तो विदेशी सम्भरक के बैंक को चुकाए जाने वाले खर्च टीएनईबी/विदेशी सम्भरक द्वारा किए जाएंगे। उनका भुगतान आयातक द्वारा नहीं किया जाएगा। विदेशी सम्भरक को उनके द्वारा किए गए आयातों की कीमत के, भुगतान की तिथि से ओईसीएफ द्वारा प्रतिपूर्ति की तारीख तक की अवधि के लिए रिहा किए जाने योग्य व्याज प्रभारों का फीमला भारत सरकार के लेखों को प्रभावित किए बिना ही सामान्य बैंकिंग सूत्र के माध्यम से टोकियो स्थित भारतीय बैंक को प्रेषण द्वारा भारत में आयातक के बैंक द्वारा किया जाएगा।

खण्ड-6 रुपया निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) बैंक आफ इण्डिया, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र में परिशिष्ट में संकेतित अनुसार आयातक के प्राधिकृत बैंकर को

परक्राम्य जहाजरानी दस्तावेज भोजेगा और बैंकर इसके बदले में यह सुनिश्चित करेगा कि जहाजरानी दस्तावेज रिहा होने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली में रुपया विक्षेप कर दिया गया है। येन भुगतान के समतुल्य रूप पर ब्याज की दर प्रथम 30 दिनों के लिए 9 प्रतिशत वार्षिक और उससे अधिक अवधि के लिए 15 प्रतिशत वार्षिक होगी जो बैंक आफ इण्डिया, टोकियो द्वारा विदेशी संभरक को भुगतान की तिथि से वास्तविक रुपया जमा कराने की तिथि तक गिनी जाएगी और सार्वजनिक सूचना सं. 48-आईटीसी(पीएन)/73, दिनांक 16-6-76 के अनुसार मूल भुगतान के साथ जमा की जाएगी। यह नोट कर लिया जाना चाहिए कि दोनों दिनों अर्थात् जिस दिन विदेशी संभरक को भुगतान किया गया है और जिस दिन सरकारी लेखों में रुपया जमा किया गया है, का ब्याज लिया जाएगा। देखिए सार्वजनिक सूचना सं. 103-आईटीसी(पीएन)/74, दिनांक 12-10-74 द्वारा यथा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-आईटीसी(पीएन)/74, दिनांक 31-5-1974।

विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रूप की गणना करने के लिए अपनायी जाने वाली विनिमय की दर भुगतान की तारीख को लागू विनिमय की वह निश्चित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 108-आईटीसी(पीएन)/74, दिनांक 3-8-74 और सं. 8-आईटीसी(पीएन)/76, दिनांक 17-1-76 में निर्धारित तरीके के अनुसार निर्दिष्ट की गई हो जो मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनिमय नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो। जिस लेखा शीर्ष में उपयुक्त रुपया निक्षेप किया जाएगा वह "डेपोजिट्स एंड एडवांसज-843 मिविल डिपोजिट्स-डिपोजिट्स फार परचेजिंग एटमेट्रा एग्ग्रेड अंडर क्रेडिट लोन एग्ग्रेमेट" लोन क्लास दि गवर्नमेंट आफ जापान 2.0 विलियन येन क्रेडिट सं. आईडीपी-23 फार तमिलनाडु राज्य माइक्रो हाइड्रो पावर स्टेशन निर्माण परियोजना होना चाहिए।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इण्डिया, तीस हजारी, दिल्ली में सरकार की साख में सार्वजनिक सूचना सं. 184-आईटीसी(पीएन)/78, दिनांक 30-6-68, सं. 233-आईटीसी(पीएन)/68 दिनांक 24-10-68, सं. 132-आईटीसी(पीएन)/71, दिनांक 5-10-71, सं. 74-आईटीसी(पीएन)/74, दिनांक 31-5-74 और सं. 103-आईटीसी(पीएन)/76, दिनांक 12-10-76 में यथा निर्धारित तरीके से जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा एसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर सम्बद्ध भारतीय बैंक भी ऊपर निर्धारित तरीके से वह अतिरिक्त धनराशि सेवा शर्तों के निमित्त भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), द्वारा मांगी जाए। चालान के विभिन्न कॉलमों को भरते समय आयातकों/उनके बैंकरों को इस बात का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-आईटीसी(पीएन)/71, दिनांक 5-10-1971 के पैरा-2 में निर्धारित सूचना चालान के कॉलम "धन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्यौरे" में निरपवाद रूप से निर्दिष्ट किए गए हैं। खजाना चालान में निम्नलिखित व्यौरे निरपवाद रूप में प्रस्तुत करने चाहिए—

(क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र संख्या और दिनांक

(ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने हैं।

(ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि

उसके पश्चात् सी.ए.ए. एण्ड ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र का संदर्भ देते हुए और बीजक तथा येन परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए खजाना चालान रुपया जमा करने का साक्ष्य देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी.ए.ए. एंड ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी :—भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चय करना चाहिए कि बैंक आफ इण्डिया, टोकियो से भुगतान और सूदे में संबंधित पोतलवान दस्तावेजों की सूचना की प्राप्ति से 10 दिनों के भीतर रुपया निरपवाद रूप में जमा कर दिया गया है और यह कि इसके तत्काल बाद सी.ए.ए. एंड ए वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), नई दिल्ली को इस तथ्य से सूचित कर दिया गया है।

6(4) भारत में सम्बद्ध भारतीय बैंक को लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति पर रुपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और "एम" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई को भेजना चाहिए।

खण्ड-8 : विधि व्यवस्थाएँ

8(1) आयात लाइसेंस का उपयोग करने की रिपोर्ट :—आयातक का पोतलवान और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में साखपत्र खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू.सी.ओ. बैंक विनिर्देश, समद मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

8(2) संभरकों को विशेष शर्तें अधिसूचित करना :—लाइसेंसधारी के आयात लाइसेंस में दिए गए किसी उन विशेष उपबंधों से संभरक को अवगत करा देना चाहिए जो माल के लाने में संभरक पर प्रभाव डालती हैं।

8(3) विवाद :—यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंस और संभरकों के बीच कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। बैंक आफ इण्डिया, टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबंध-3 में "भुगतान की शर्तें" के अंतर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। संधि की शर्तों के विवाद के निपटारे से सम्बद्ध व्यवस्थाएँ शामिल होनी चाहिए।

8(4) भविष्य अनुदेश :—आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों में संबंधित या येन क्रेडिट समझौते (परियोजना सहायता सं. आईडीपी-23) के अधीन सभी आभारों को विदेशी आर्थिक सहयोग निधि, जापान (ओ.ई.सी.एफ) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों, अनुदेशों या अनुदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

8(5) अतिक्रमण या उल्लंघन :—उपयुक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

8(6) अनुबंधों की सूची :

- 1 अनुबंध —1 पात्र स्त्रोत देशों की सूची
- 2 अनुबंध —2 अधिप्राप्ति के लिए मुख्य मार्ग दर्शन
- 3 अनुबंध —3 अधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध
- 4 अनुबंध —4 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र
- 5 अनुबंध —5 साख पत्र का प्रपत्र (वास्तविक आयातों के लिए लाभ)
- 6 अनुबंध —6 साख पत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लाभ)
- 7 अनुबंध—7 प्रतिपूर्ति क्रियाविधि
अनुबंध -1
पात्र स्त्रोत देशों की सूची

(क) विकासशील देश तथा उसके क्षेत्र

(क-1) ओ० पी० ई० सी० से भिन्न विकासशील देश

1. अफ्रीका उत्तरी सहारा

मिस्र
मोरोको
तुनिशिया

2. अफ्रीका दक्षिणी सहारा

अंगोला
बोत्सवाना
वरण्डी
कैमेरून
केप वर्डी द्वीप समूह
केन्द्रीय अफ्रीका गणतन्त्र
केचाद
कमोरो द्वीप समूह
कांगो डेल्ता का गणतन्त्र
भूमध्य गिनी (1)
इथोपिया
जाम्बिया
घाना
गिनी
आइवरी कोस्ट
केनिया
लेसोथो
लाइबेरिया
मालागासी गणतन्त्र
मालावी
माली
मारिटेनिया मारोशस
मोजाम्बिक
नाइगरा
पुर्तगाली गिनी
रियूनियन

रोडेशिया
रवान्डा
सेन्ट हेलिना और डम (2)
साओटीम और प्रिन्साइज
सेनेगाल
सेजीतीज
सियरा लिओन
सोमालिया
सूडान
स्वाजी लैण्ड
टरो आपन्स और इत्सा
टोगो
युगान्डा
तंजानिया संयुक्त गणराज्य
अपर बोल्टा
जाइरे गणतन्त्र
जाम्बिया

3. अमेरिका उत्तरी और केन्द्रीय

बाहम
बारबोडो
बेलीज
बरमुड
कोस्टारिका
क्यूबा
डोमिनिकान गणतन्त्र
एल्साल्वडोर
ग्वाटे माला
हेती
होण्डूरस
जेमेका
मार्टिनिक्
मैक्सिको
नीदरलैण्ड एन्टिलीज
निकारागुवा
पनामा
सेन्ट पियरो और मिक्योलोन
ट्रिनिडाड और बोर्बो
वेस्ट इण्डीज (शाखा) एन आई ई
(क) सम्बन्धित राज्य (1)
(ख) आश्रित (2)

4. दक्षिणी अमेरिका

अर्जेन्टीना
बोलिविया
ब्राजील
चिली
कोलम्बिया
फाल्क लैण्ड द्वीप समूह

- फ्रान्सीसी गिनी
गुयाना
पराग्वे
पीरू
सुरिनाम
ऊरुग्वे
5. मध्य पूर्वी एशिया
बेहरीन
इजराइल
जोर्डन
लेबनान
ओमन
सीरियाई अरब गणतंत्र
यूनाइटेड अरब एमीरात (3)
यमन अरब गणतंत्र
यमन जनवादी डी० आर० (4)
- (1) पहले स्पेनी गिनी का प्रदेश, फरनेन्डो पो द्वीप सहित
(2) निम्नलिखित द्वीपों सहित :—
असेन्शन, ट्रिस्टन डा इन एक्सोमिनिस्स, नाइटिंगेल
गफ
(3) मुख्य द्वीप समूह, अरब, बोनेरे क्यूराकाओ साहा,
सेन्टमार टिन (दक्षिणी भाग)
6. दक्षिणी एशिया
अफगानिस्तान
बांगला देश
भूटान
बर्मा
भारत
माल द्वीप
नेपाल
पाकिस्तान
श्रीलंका
7. सुदूर पूर्वी एशिया
ब्रुनी
हांगकांग
खमेर गणतंत्र
कोरिया गणतंत्र
लाओस
मकाओ
मलेशिया
फिलिपाइन
मिगापुर
ताइवान
थाईलैंड
तिग्गर
वियतनाम गणतंत्र
- विद्यतनाम जनवादी गणतंत्र
8. ओसिनिया
कोक द्वीप समूह
फिजी
गिल्बर्ट और इलाइस द्वीप
फ्रांसिसी पोलिनेशिया (5)
नीरू
न्यूक्लेन्डोनिया
न्यू हेब्रीसल हेमिसेम (ब्रा० और के)
नियू
पैसिफिक द्वीप समूह (संयुक्त राज्य) (6)
पापुवा न्यू गिनी
मोलोमन द्वीप समूह (ब्रा)
टोंगा
वालिस और फतुना
पश्चिमी समाओ
9. यूरोप
माइप्रस
जिब्राल्टर
ग्रीस
माल्टा
स्पेन
तुर्की
यूगोस्लाविया
- (1) मुख्य द्वीप समूह :—एटिग्वा, डोमिनिका, ग्रेनाडा,
सेन्ट किट्स (सेंट क्रिस्टोफ़े), नेविस एन्वियला,
सेंट लूसिया और सेन्टर व्हासेन्ट
(2) मुख्य द्वीप मोन्तेसेरात, सेमान, तुर्कमे, और काई-
कोम और ब्रिटिश वर्जिन द्वीप समूह
(3) अजमान, दुबई, फ़ुजैरह, रास अल खैमाह, शारजाह
और उम अल क्वैनन
(4) अदन और विभिन्न सुल्तनन और अमीरात सहित ।
(5) मोसायटी द्वीप समूह (ताहिती सहित) को शामिल
करते हुए आस्ट्रेल द्वीप समूह, टुआमोतु जाम्बीअर
ग्रुप और मार्किस द्वीप समूह,
(6) पैसिफिक द्वीप समूह का ट्रस्ट प्रदेश, क्रोरोलीन द्वीप
समूह, मार्शल द्वीप समूह और मोरिना द्वीप समूह
(गाम को छोड़कर) ।
- (क-2) ओ० पी० ई० सी० के सदस्य या सहयोगी देश
अल्जीरिया
बोलीबिया
लीबियन अरब गणतंत्र
रोमान
नाइजीरिया
इक्वेडोर

वेन्जुएला
ईरान
ईराक
कुवैत
कातार
सऊदी अरब
अबुधावी
इण्डोनेशिया

अनुबंध—2

ओ. ई. सी. एफ. द्वारा व्यवस्थित परियोजना ऋण के अधीन माल और सेवाएं अधिप्राप्ति करने के लिए मुख्य मार्ग वर्णन

1. विज्ञापन : औपचारिक खूली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा के अधीन सभी निविदाएं बोली आमंत्रित करने के लिए ऋणी देश में सामान्य प्रचार के लिए कम से कम एक समाचार पत्र में विज्ञापित होना चाहिए। विज्ञापन के लिए बोली आमंत्रित करने की प्रतियां पात्र स्रोत देशों के स्थानीय प्रतिनिधियों का भी तुरन्त प्रेषित की जानी चाहिए।

2. बोली के दस्तावेज और संबिदाएं :

2.1 बोली बाण्ड और गारान्टियां : बोली बाण्ड या बोली की गारान्टियां साधारण आवश्यकताएं हैं लेकिन, इनको इतना कठिन नहीं बनाना चाहिए जिससे कि उचित बोलीकार हतोत्साह हो जाए। बोली खोलने के पश्चात् जैसे ही संभव हो बोली बाण्ड अथवा गारान्टियां अमफल बोलीकारों को रिहा कर देनी चाहिए।

2.2 संबिदा की शर्तें : संबिदा के प्रकाशन और उसके अधीन किए गए किन्हीं परिवर्तनों में दी गई संबिदा की शर्तों में आयातक और ठेकेदार या संभरक के अधिकार और दायित्व और आयातक द्वारा कोई इंजीनियर नियुक्त किया गया है तो उसके अधिकार और प्राधिकार स्पष्टीकरण रूप से परिभाषित होने चाहिए। संबिदा की परम्परागत सामान्य शर्तें, जिनमें कुछ का उल्लेख इन निदेशन बिन्दुओं में किया गया है, के अतिरिक्त परियोजना के स्वरूप और स्थिति के लिए उपयुक्त विमर्ष जतों को भी शामिल करना चाहिए।

2.3 संबिदाओं की किस्म और आकार : संबिदाएं निष्पादित काम के लिए इकाई मूल्य के या आवेदित मशौ के या एक मूल्य कीमत के या संबिदा के विभिन्न भागों के लिए दोनों समन्वय के आधार पर प्रदान किए जाने वाले माल या सेवाओं के स्वरूप के अनुसार की जा सकती है और बोली लगाने वाले दस्तावेजों में चूनी गई संबिदा की किस्म की स्पष्ट व्याख्या होनी चाहिए।

वास्तविक मूल्य की प्रतिपूर्ति पर मुख्यतः आधारित संबिदाएं विशेष परिस्थितियों को छोड़कर निधि को स्वीकार्य नहीं है।

इंजीनियरिंग उपस्कर और निर्माण के लिए उसी पाटों द्वारा प्रदान की जाने वाली एकल संबिदाएं (टर्न-की संबिदाएं) यदि ऋणी देश के लिए तकनीकी और आर्थिक लाभ प्रदान करे तो वे स्वीकार्य हैं।

2.4 पात्र संभरक : वे नियतक या संभरक जिनके माल एवं सेवाओं का वित्तदान ऋण की रकम में से किया जाना है जिसे इसके बाद "पात्र संभरक" कहा गया है, पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिक होंगे और निम्नलिखित शर्तों को पूरा करेंगे :—

- (1) अभिदान किए गए शेरों का एक बड़ा भाग पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा रखा जाएगा।
- (2) पूर्णकालिक निदेशकों बहुमत पात्र स्रोतों के राष्ट्रिकों का होगा।
- (3) ऐसे न्यायिक "व्यक्तियों" का पंजीकरण पात्र स्रोत देशों में होगा।

3.1 संबिदा की कीमत :

(क) संबिदा कीमत जापान येन में दर्शाई जानी चाहिए इससे कि संबिदा कीमत का यह भाग जो ठेकेदार ऋणी के देश में खर्च करेगा ऋणी की मुद्रा में दर्शाया जाना चाहिए।

(ख) मूल्य समंजन कंडिकाएं : बोली दस्तावेज में यह स्पष्ट विवरण होना चाहिए कि पक्की कीमतों में वृद्धि की आवश्यकता है अथवा बोली की कीमतों में वृद्धि स्वीकार्य है।

यदि संबिदा की प्रमुख लागत अवयवों अर्थात् श्रम और महत्वपूर्ण सामग्री की कीमतों में कोई परिवर्तन होता है तो संबिदा की कीमतों में समंजन के लिए व्यवस्था होनी चाहिए। कीमतों के समंजन के लिए विशिष्ट सूत्र बोली दस्तावेजों में साफ-साफ परिभाषित होना चाहिए।

माल की सप्लाय के लिए संबिदाओं में कीमतों के समंजन की उच्चतम निर्धारित सीमा को भी शामिल किया जाना चाहिए, लेकिन सिविल कार्यों के लिए संबिदाओं में इस प्रकार की उच्चतम निर्धारित सीमा को प्रायः मागित नहीं किया जाना चाहिए।

एक वर्ष के अन्दर सुपेर्द किए जाने वाले माल के लिए मूल्य समंजन की व्यवस्था प्रायः नहीं की जानी चाहिए।

मार्ग निदेशन बिन्दु उन विभिन्न उपबंधों के परिचय का वांछित नहीं कराती है जिनके द्वारा संबिदा मूल्य समंजित किया जा सके।

(ग) बीमा : सफल बोलीदार द्वारा दो जाने वाली बीमों की किस्मों का बोली दस्तावेजों में संक्षेप में वर्णन होना चाहिए।

3.2 दोनों पार्टियों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित संबिदा का निवेशी संभरकों द्वारा लिखित रूप में पंष्टि-करण आदेश से समर्थित क्रय आदेश जो भारतीय आयातक द्वारा निवेशी संभरक को दिया गया है, या इनकी फोटो प्रतियां भी फण्ड को स्वीकार्य हैं।

3.3 प्रत्येक संबिदा में संभरक की पात्रता का निम्नलिखित विवरण जोड़ा जाएगा :—“मैं (हम) एतद्वारा यह उल्लेख करते हैं कि मेरी (हमारी) कंपनी पात्र संभरक है क्योंकि शेरों का—प्रतिशत (%) (पात्र स्रोत देश) के राष्ट्रिकों द्वारा रखा गया है, और—प्रतिशत (%) निदेशक— (पात्र स्रोत देश) के राष्ट्रिक है और मेरी (हमारी) अपनी कंपनी— (पात्र स्रोत देश) में पंजीकृत कराई गई है।

4.1 मापदण्ड :—यदि उन राष्ट्रिक मापदण्डों का उल्लेख किया जाता है जिनके अनुसार ही उपकरण या माल है तो विशिष्टकरण में यह दर्शाया जाना चाहिए कि जापान औद्योगिक मापदण्ड या अन्य स्वीकार किए गए अंतर्राष्ट्रीय मापदण्ड को पूरा करने वाली पण्यवस्तुओं जो मापदण्डों की कोटि के बराबर या इससे अधिक मापदण्ड का गुणित्व करती हैं, उन्हें भी स्वीकार कर लिया जाएगा।

4.2 ब्राण्ड नामों का प्रयोग :—यदि विशेष प्रकार के फालतू पूजों की आवश्यकता है या यह निश्चय किया गया है कि कुछ खास आवश्यक विशेषताओं को बनाए रखने के लिए मानकीकरण की एक डिग्री की आवश्यकता है तो विशिष्टकरण निष्पादन क्षमता पर आधारित होने चाहिए और उन्हें एक केवल ब्राण्ड नाम, मूची संख्या और विशेष विनिर्माता के उत्पादों को निर्धारित करना चाहिए। बाद वाले मामले में विशिष्टकरण को उन विकल्पों पण्यवस्तुओं के प्रस्तावों की अनुमति देनी चाहिए। जिनकी विशेषता मिलती जुलती है और कम से कम उन विशिष्टकरण के बराबर निष्पादन और गुण उनमें हैं।

4.3 गारंटी निष्पादन ब्रांड और रोक रक्खी गई धनराशि :—नागरिक कार्य के लिए बोली दस्तावेज में गारंटी के लिए कुछ जमानत के रूप में होना चाहिए जिससे कि जब तक यह पूरा न हो जाए तब तक काम जारी रहेंगे। यह जमानत या तो बैंक गारंटी द्वारा अथवा निष्पादन ब्रांड द्वारा दी जा सकती है, इसकी धनराशि कार्य की किम्प और परिणाम के अनुसार भिन्न-भिन्न होगी, लेकिन ठेकेदार में कमी पाए जाने के मामले में ऋणी की सुरक्षा प्रदान करने के लिए पर्याप्त होनी चाहिए। उचित जमानती अर्वाध को पूरा करने के लिए संविदा को पूर्ण होने के बाद भी इसमें पर्याप्त रूप से समय में वृद्धि की जानी चाहिए। गारंटी या अपेक्षित ब्रांड की धनराशि को बोली दस्तावेजों में निरूपित किया जाना चाहिए।

माल की सप्लाई के लिए संविदाओं में आम तौर पर वह वांछनीय होगा कि बैंक गारंटी अथवा ब्रांड की अपेक्षा गारंटी निष्पादन के लिए रोक रक्खी गई धनराशि को ही कुल भुगतान का प्रतिशत माना जाए। रोक रक्खी गई धनराशि को कुल भुगतान की दर मानना और इसके अन्तिम भुगतान के लिए शर्तें बोली दस्तावेज में निर्दिष्ट होनी चाहिए। लेकिन, यदि बैंक गारंटी अथवा ब्रांड चुना जाता है तो यह केवल गाम मात्र धनराशि के लिए ही होना चाहिए।

5. ऋकाई जाने वाली क्षति :—ऋणी को जब कार्य पूर्ण होने या संपूर्ण होने में देर होने के कारण फालतू खर्चा, राजस्व की हानि या अन्य लाभों में नुकसान होता है तो बोली दस्तावेजों में ऋकाई जाने वाली क्षति से सम्बद्ध प्रावधान शामिल होने चाहिए। ठेकेदार द्वारा संनिश में निर्दिष्ट समय पर अथवा उससे पहले नागरिक निर्माण कार्य पूरा करने के लिए और जब कि समय से पूर्व पूर्ण किया गया कार्य ऋणी को लाभकारी हो तो ठेकेदार को बोनस देने की भी व्यवस्था की जाए।

6. वाध्यकारी परिस्थिति :—बोली दस्तावेजों में शामिल की गई संविदा की शर्तों में जब उचित हो तो इसे अनुबंधित करते हुए इस संबंध में वाक्यांश होने चाहिए कि संविदा के अन्तर्गत पाटी द्वारा अपने वायित्वों को न पूरा करना उम हालत में एक ऋक नहीं माना जाएगा यदि ऐसी ऋक विवश स्थितियों में (फोर्स मज्योर) के फलस्वरूप हुई है (संविदा की शर्तों में इसकी परिभाषा दी जानी है।)।

7. भुगाइयों का निपटान :—भुगाइयों के निपटान से संबंधित व्यवस्थाएं संविदा की शर्तों में शामिल की जानी चाहिए। यह वांछनीय है कि व्यवस्थाएं अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य मंडल द्वारा बनाए गए "समझौते और मध्यस्थ निर्णय के नियमों" पर या अन्य ऐसी व्यवस्थाएं जो भारतीय आयातक और विदेशी सभरक दोनों को न्वीकार्य हों, पर आधारित होनी चाहिए।

8. भाषा की व्याख्या :—बोली दस्तावेज अंग्रेजी में तैयार किए जाने चाहिए। यदि बोली दस्तावेजों में अन्य भाषा हस्तमाल में लायी जाए तो ऐसे दस्तावेजों के साथ अंग्रेजी भी होनी चाहिए और इस बात का भी उल्लेख किया जाए कि कौन सी भाषा प्रमुख है।

9. बोली खोलना, मूल्यांकन और ठेका देना :

9.1 बोलियों के आमंत्रण और बोली प्रस्तुत करने के बीच का समय :—बोली तैयार करने के लिए अनुमत समय अधिकतर संविदा की महत्वता और पैकीदगी पर निर्भर करेगा। साधारणतः अंतर्राष्ट्रीय बोली के लिए कम से कम 30 दिनों की स्वीकृति दी जानी चाहिए। किन्तु अन्तिम समय प्रत्येक परियोजना से संबंधित परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए होना चाहिए।

9.2 बोली खोलने की क्रियाविधि :—बोलियों की अन्तिम पावती के लिए और बोली लगाने के लिए तिथि, समय और स्थान को बोली आमंत्रण में घोषित किया जाना चाहिए और सभी बोलियां निर्धारित समय पर खुलेआम खोलनी चाहिए। इस समय के बाद प्राप्त हुई बोलियों को बिना खोले ही लौटा देना चाहिए यदि उन्होंने अनुरोध किया है या उन्हें अनुमति दे दी गई है तो तोलीकार की कुल धनराशि सोर से पढ़ी जानी चाहिए और उसको बोलियों की कुल धनराशि सोर से पढ़ी जानी चाहिए और उसको रिकार्ड कर लेना चाहिए।

9.3 बोलियों का स्पष्टीकरण या उनमें परिवर्तन :—बोली खोलने के पश्चात किसी भी बोली बोलने वाले को उसकी बोली में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। केवल स्पष्टीकरणों को ही स्वीकार किया जाए जिससे बोली के मूल तत्व पर कोई प्रभाव न पड़े। आयातक किसी भी बोली बोलने वाले से अपनी बोली के विषय में स्पष्टीकरण के लिए यह कह सकता है लेकिन बोलीकार को उसकी बोली से मारांश एवं मूल्य परिवर्तन के विषय में नहीं कहना चाहिए।

9.4 गलत रक्खी जाने वाली क्रियाविधि :—कानून द्वारा यथा अपेक्षित को छोड़कर बोली खोलने के बाद बोली से संबंधित निरीक्षण, स्पष्टीकरण एवं मूल्यांकन और निर्णय से सम्बन्धित सिफारिशों के बारे में भी उम व्यक्ति को जो इन क्रियाविधियों से औपचारिक रूप से संबंधित नहीं है, तब तक नहीं बताया जाना चाहिए जब तक कि सफल बोलीकार के लिए संविदा के निर्णय को घोषित नहीं कर दिया जाता है।

9.5 बोलियों की जांच :—बोलियों के खोलने के बाद इसका सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि क्या कोई बोलियों के परिवर्तन में विषय सम्बन्धी गलती तो नहीं लिख दी गई है, क्या बोली दस्तावेज बिलकुल बोलियों के अनुसार हैं, क्या बोलियां जमानतों की व्यवस्था पर रखी गई हैं, बोली दस्तावेज विधिवत हस्ताक्षरित हैं और क्या बोलियां सामान्यतया अन्यथा रूप से सही हैं, यदि बोलियां मूल रूप से विशिष्टकरण के अनुसार नहीं हैं या उनमें अस्वीकृत शर्तें हैं या अन्यथा रूप से बोली संबंधी दस्तावेजों के अनुसार नहीं हैं तो उन्हें अस्वीकृत किया जाना चाहिए। इसके

बाद प्रत्येक बोली के मूल्यांकन के लिए और बोलियों के मिलान के लिए तकनीकी विवेचन किया जाना चाहिए।

9.6 बोलीकार की पूर्व योग्यताएँ :—पूर्व योग्यताओं की अनुपस्थिति में आयातक को चाहिए कि वह इस बात का सुनिश्चय करे कि उस बोलीकार के पास सम्बद्ध संविदा को प्रभावी रूप में चलाने के लिए क्षमता है और धन है जिसकी बोली का काम से कम मूल्यांकन किया गया है। यदि बोलीकार उन योग्यताओं को पूरा नहीं करता तो उसकी बोली को अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए।

9.7 बोलियों का मूल्यांकन और मिलान : बोलियों का मूल्यांकन बोली दस्तावेजों में निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार होना चाहिए। गणितीय गलतियों के लिए समर्जित बोली की कीमत के अतिरिक्त अन्य बातों जैसे निर्माण कार्य के पूर्ण होने का समय, उपकरण की कार्य कुशलता एवं क्षमता या फालतू पजों की उपलब्धता और प्रस्तावित निर्माण कार्य तरीकों की विषयसमीक्षा को विचार में लिया जाना चाहिए। जहाँ तक संभव हो ये बातें बोली दस्तावेजों में विशिष्टीकृत मानदण्ड के अनुसार रूप से की शर्तों में व्यक्त की जानी चाहिए यदि कोई हो तो बोली में शामिल की गई समर्जित कीमत के लिए वृद्धि की धनराशि विचार में नहीं ली जानी चाहिए।

प्रत्येक बोली में मुद्रा अथवा मुद्राएँ जिनसे मूल्य आंका जाता है बोली स्वीकृत होने पर ऋणी द्वारा भुगतान किया जाएगा और सभी बोलियों की तुलना ऋणी द्वारा चुनी गई एक ही मुद्रा में मूल्यांकित होनी चाहिए और इसका उल्लेख बोली दस्तावेजों में भी होना चाहिए। ऐसे मूल्यांकन में उपयोग के लिए विनिर्भय की दर सरकारी स्रोत द्वारा प्रकाशित विक्रय दरों पर होनी चाहिए और जब तक निर्णय होने से पूर्व मुद्रा के मूल्य में कोई परिवर्तन न किया जाए तब तक बोलियों खोलने के दिन उसी प्रकार के भगतानों पर लागू होनी चाहिए। ऐसे मामलों में सफल बोलीकार के निर्णय को अधिसूचित करने समय विनिर्भय की दर उपयोग में लाई जानी चाहिए।

9.8 बोलियों को अस्वीकृत करना : बोली दस्तावेजों में सामान्यतया यह व्यवस्था की गई है कि ऋणी सभी बोलियों को अस्वीकृत कर सकते हैं। किन्तु बोलियों को अस्वीकार नहीं करना चाहिए और नई बोलियों में कम कीमत प्राप्त करने के प्रयोजनार्थ उसी विशिष्टीकरण पर नई बोलियाँ आमंत्रित नहीं की जानी चाहिए। वह उन मामलों को छोड़कर होगा जहाँ न्यूनतम मूल्यांकित बोली वास्तविक धनराशि द्वारा अनुमानित कीमत से अधिक हो जाती है। सभी बोलियों को अस्वीकार करने के लिए भी तब औचित्य देने चाहिए जहाँ (क) बोलियाँ, बोली दस्तावेज के आशय के अनुसार न हो या (ख) बहुत कम प्रतियोगिता है। यदि सभी बोलियों को अस्वीकार कर दिया जाता है तो ऋणी को चाहिए कि वह उस कारण या उस कारणों की पुनरीक्षा करे जिनसे अस्वीकृत सिद्ध की गई है और या तो विशिष्टीकरण के परिवर्तनों पर या परियोजना के परिणाम पर (या बोलियों के लिए मूल आमंत्रण में मांगी गई पण्य वस्तुओं की धनराशि पर) या दोनों पर विचार करे। विशेष परिस्थितियों में निधि पर विचार करने के बाद ऋणी संतोषजनक संविदा प्राप्त करने के लिए किसी एक कम से कम बोली देने वाले बोलीदार या बोलीदारों के साथ सौदा कर सकता है।

9.9 संविदा का निर्णय : संविदा का निर्णय उन बोलीदार के लिए किया जाना चाहिए जिसकी बोली न्यूनतम मूल्यांकित बोली

पर निश्चित की गई है और जो क्षमता और वित्तीय साधनों के उचित मानक को पूरा करता है। ऐसे बोलीकार के लिए यह आवश्यक नहीं होना चाहिए कि वह निर्णय एक शर्त के रूप में विशिष्टीकरण में निर्धारित पण्य वस्तुओं के लिए या अपनी बोली को परिशोधित करने के लिए जिम्मेदारी ले।

अनुबंध—3

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना पत्र

में

दिनांक

सेवा में,

महायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,
यू.सी.ओ. बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,
पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

विषय :—येन ग्रेडिट ओ ई सी एफ ऋण सम्भावना में —————
के अन्तर्गत ————— से ————— का आयात।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित येन ग्रेडिट ओ ई सी एफ ऋण सम्भावना में ————— के अधीन ————— से ————— के आयात के संबंध में ————— (बैंक का नाम) जो कि वही होना चाहिए जो नीचे (द) में सम्बद्ध समुद्रपार संभरक के नाम में ग्राहक-पक्ष खोलने के लिए दिया गया है को प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित ब्यौरे प्रस्तुत करने हैं :—

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता
- (ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह तारीख जिस तक वैध है।
- (ग) प्राप्ति के तरीके ————— क्या वह सीधे क्रय या औपचारिक लूले अन्तर्राष्ट्रीय निविदा पर आधारित है। इसके मामले में यदि कोई कारण हो तो कारण सहित यह संकेतित होना चाहिए कि कण संविदा का निर्णय उपयुक्त न्यूनतम तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।
- (घ) माल का संक्षिप्त विवरण
- (ङ) माल का उद्गम देश
- (च) यदि कोई हो तो पात्र से इतर स्रोत देशों से आयातित मण्डकों का प्रतिशत।
- (छ) संविदा का कुल जहाज पर निःशुल्क मूल्य (येन में)
- (ज) यदि कोई हो तो भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (येन में) भारतीय रुपए में देय
- (झ) समुद्रपार संभरक को देय वास्तविक जहाज पर निःशुल्क मूल्य (येन में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।
- (ञ) समुद्रपार के संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या एवं दिनांक
- (ट) समुद्रपार के संभरक का नाम और पता -
- (ठ) वे भुगतान शर्तें और सम्भावित तिथि जिनको संविदा के अन्तर्गत भुगतान देय होंगे।

- (ड) संपूर्ण की पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि ।
- (इ) भारतीय बैंक टोकियो को भुगतान करने राशय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सैट की संख्या और उसका भुगतान दिखाते हुए)
- (ण) पोतलदान अन्देश (बाह्यान्तरण/पार्टीशपमट की अगमति दी गई है या नहीं निर्दिष्ट कीजिए)
- (त) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता
- (थ) क्या उमी लाइसेंस के अन्तर्गत संविदा (संविदाएं) कर दी गई है और जापानी प्राधिकारियों को अधिसूचित कर दी गई है, यदि हां तो ऐसी प्रत्येक संविदा का नाम, दिनांक और मूल्य और वित्त मंत्रालय का वह संदर्भ जिसके अन्तर्गत ओ. ई. सी. एफ. कबो इसे अधिसूचित किया गया है
- (द) क्या भारतीय बैंक टोकियो को देय अपरिवर्तनीय साख पत्र खोलने और रख-रखाव के खर्चों के आयातक संभरक को देने होंगे ।

अनुबंध - 4

(प्राधिकार पत्र का प्रपत्र)

संख्या एफ

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक

मेवा में,

बैंक आफ इंडिया,

टोकियो शाखा,

टोकियो (जापान)

विषय :- येन क्रेडिट (परिव्यंजना सहायता) ऋण करार सं० के अधीन आयात साख पत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना ।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ 25-3-1980 को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न व्योरे के अनुसार सर्वश्री के नाम में येन धनराशि के लिए अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है ।

आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साखपत्र की प्रति आयातक के बैंक, ओ० ई० सी० एफ० भारतीय दूतावास, टोकियो और हमें पृष्ठांकित की जाए ।

साख पत्र की शर्तों के अनुसार प्रारंभ में संभरकों को भुगतान आपकी निधि से किया जाएगा । भुगतान के बाद

ओ० ई० सी० एफ० को आवश्यक दस्तावेज भेज कर किए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा तत्काल करना चाहिए ।

संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि में और ओ० ई० सी० एफ० द्वारा उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि के बीच के समय के लिए उसका निर्धारण आपके द्वारा भारत में संबंधित आयातक बैंक के साथ सामान्य बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से भारत सरकार के लेखे को प्रभावित किए बिना किया जाएगा । बैंकों के अन्य खर्चों, जिन्हें साख पत्र खोलने, रख-रखाव करने और साख पत्रों को जारी रखने के लिए खर्च भी शामिल है क्योंकि वे भी परव्यंज्य दस्तावेजों के संचालन में संबंधित हैं और यदि कोई हो तो, विदेशी संभरकों के बैंकों के खर्च भी विदेशी संभरक/आयातक को ही देने पड़ेंगे और इसलिए आयातक द्वारा उनका भुगतान नहीं किया जाएगा और इसलिए उन्हें सीधे ही संभरकों से प्राप्त किया जा सकता है । इस प्रकार ऐसे भुगतानों की प्रतिपूर्ति का दावा ओ० ई० सी० एफ० में नहीं किया जा सकता ।

जब और जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाता है और आपको प्रतिपूर्ति की जाती है तो निर्धारित प्रपत्र में एक सूचना इस मंत्रालय को भेजनी चाहिए ।

यह प्राधिकार पत्र समुद्र पार संभरकों के नाम में साख-पत्र खोलने के लिए है । इस मंत्रालय के विशिष्ट प्राधिकार के बिना इस प्राधिकरण के मददे खोले गए आगे के नए साख पत्र या साख पत्र के बाद के संशोधनों का अनुपालन नहीं किया जाएगा ।

यह प्राधिकार पत्र तक वैध रहेगा ।

भवदीय,
(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित —

1. आयातक को उनके पत्र सं० दिनांक के के संदर्भ में ।

2. आयातक के बैंक । इनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येन के बराबर रुपया जमा करने की व्यवस्था करें । संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपए की गणना मासिक सूचना सं० 8-आई० टी० सी० (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी ही मासिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की मिश्रित दर पर की जाएगी । विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि से भारतीय बैंक को जमा करने की तिथि से सरकार के लेखे में तुल्य रुपया जमा करने की तिथि तक की अवधि के लिए मासिक सूचना-

सं०. 46-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 10-6-76 के अनुसार पहले 30 दिनों के लिए 9 प्रतिशत व्यापक दर पर और इससे अधिक की गणना की गई अवधि के लिए 15 प्रतिशत की दर से व्याज भी सरकारी लेखों में जमा कराना होगा। व्याज दोनों दिनों के लिए दिया जाएगा अर्थात् वह तिथि जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और वह तिथि भी जिसको सरकारी लेखों में जमा रूपया निक्षेप किया जाता है। यदि इस दर में कोई परिवर्तन किया गया तो तुरन्त इसकी सूचना दी जाएगी। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमा-शुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जाती है।

ये धनराशियां या सी रिजर्व बैंक आफ इण्डिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इण्डिया, तीस हजारी, दिल्ली में जमा करनी चाहिए। इस संबंध में आपका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं०. 184-आईटीसी(पीएन)/68, दिनांक 30-8-68, सं०. 233-आईटीसी(पीएन)/68, दिनांक 24-10-68, सं०. 132-आईटीसी(पीएन)/71, दिनांक 5-10-71, संख्या 74-आईटीसी(पीएन)/74, दिनांक 31-5-74 और सं०. 103-आईटीसी(पीएन)/76, दिनांक 12-10-1976 की शर्तों की ओर दिलाया जाता है। लेखा शीर्ष जिसमें धनराशि जमा की जाएगी वह "के डिपोजिट्स एण्ड एंड-वांसिज 843 सिविल डिपोजिट्स-डिपोजिट्स फार परचोर्जिस एक्सेक्टू एग्राड परचोर्जिस अंडर क्रेडिट/लोन एग्रीमेंट-2.0 बिलियन येन क्रेडिट सं०. आईटीपी-23 फार तमिलनाडु राज्य माइक्रो हाइड्रो पावर स्टेशन निर्माण परियोजना फ्राम दि गवर्नमेंट आफ जापान" है।

जिन मामलों में तृतीय रूपया रिजर्व बैंक आफ इण्डिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इण्डिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना सं०. 132-आईटीसी(पीएन)/71, दिनांक 5-10-71 के अनुसार नकद जमा किया जाता है, उनको चालान की मूल रूप में एक प्रतिनिधि बैंक आफ इण्डिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देते हुए अग्रोषण पत्र सहित निम्नलिखित पते पर भेजनी चाहिए :—

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग),
पहली मंजिल, यू.सी.ओ. बैंक बिल्डिंग,
संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001.

जिन मामले में तृतीय रूपया ऊपर अपेक्षित सार्वजनिक सूचना सं०. दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी टुण्ड्री द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में, जमा किए गए तृतीय रूपये का पूरा व्यौरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

संभरकों को किए गए भुगतान की तिथि से बैंक आफ इण्डिया, टोकियो को उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक आईटीएस द्वारा बैंक आफ इण्डिया, टोकियो को किए गए व्याज प्रभार बैंक आफ इण्डिया, टोकियो के साथ सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत सरकार के लेखों को प्रभावित किए बिना सीधे ही आपके द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

3. निवेशक, ऋण विभाग-2, समुद्रपार आर्थिक सहयोग निधि, टेकूनसी न्यूडोबिल्डिंग, 4-1 ओहाट-

मोची-1, कोमे, चियोटा-कू, टोकियो-100, जापान।

4. भारतीय दूतावास, टोकियो।

5. अवर सचिव, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

लेखा अधिकारी

अनुबंध-5

(ओ० ई० सी० एफ० एम० सी० -1 का प्रपत्र)

अपरिवर्तनीय साख पत्र

(माल के लिए लागू)

सेवा में,

दिनांक

..... यह साखपत्र (ऋणी) और
..... विदेशी आर्थिक सहयोग निधि
..... के बीच हुए ऋण करार सं०
(संभरक का नाम और
पता) के दिनांक
के अनुसरण में जारी किया
गया है।

प्रिय महोदय,

हम सूचित करते हैं कि हमारे नाम में निकालन के लिए बीजक के पूरे मूल्य के लिए दर्शनी टुण्ड्री द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए हमने अपरिवर्तनीय साख-पत्र सं० खोल दिया है जो येन
(..... येन कह सकते हैं) को कुल धनराशि से अधिक नहीं है, इसे निम्नलिखित दस्तावेज के साथ भेजा जाना है :—

हस्ताक्षरित, वाणिज्यिक बीजक

क्लीन आन बोर्ड, समुद्री पोत लदान बिल जिनमें दिए गए आदेशों का पूरा सेट हो बैंक पृष्ठांकित एवं चिह्नित "फ्रेट" एवं "नोटिफाइड"

अन्य दस्तावेज जिसमें से तक लदान का सत्यापन दिया गया हो संविदा संख्या
..... (यदि कोई हो), के संदर्भ में संक्षिप्त विवरण आंशिक पोतलदान स्वीकृत है। बाह्यान्तरण स्वीकृत है।

पोतलदान बिल जो से बाद की तिथि का नहीं होना चाहिए। आदेशों को डाफ्ट
..... 19 तक अवश्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

इस क्रेडिट के अन्तर्गत सभी डाफ्ट और दस्तावेजों पर यह अंकन होना चाहिए।

“अपरिवर्तनीय साखपत्र सं० दिनांक 198 के अन्तर्गत निकलवाया गया और आयात संदर्भ संख्या (संख्याएं) यदि कोई हो, यह क्रेडिट हस्तान्तरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत और इसकी शर्तों का अनुपालन करके निकलवाए गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशिनी को दस्तावेजों की सुपुर्वगी पर विधिवत् स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक न बताया जाए कि क्रेडिट “यूनिफार्म कस्टम एंड प्रेक्टिस फार डाकुमेंट्स (1974 रिवीजन) इंटरनेशनल चैम्बर आफ कामर्स, पब्लिकेशन सं० 290” के अधीन है।

सौदा करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश :—

1. उपर्युक्त ऋण करार के अन्तर्गत जारी किए गए वचन पत्र की व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा हमारे भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम वचन देते हैं कि हम सौदा करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार हुण्डी की धनराशि लौटा देंगे।

2. सौदा करने वाले बैंक को यह बताते हुए हम ड्राफ्ट्स और दस्तावेजों का एक पूर्ण सेट और इसके साथ एक प्रमाण पत्र अवश्य भेजें कि शेष दस्तावेज सीधे ही हवाई डाक द्वारा को भेज दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अन्तर्गत सभी बैंक के खर्चे आयातक/संभरक के लेखे के लिए हैं।

भवदीय,

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा

प्राधिकृत हस्ताक्षर

भुगतान शर्तें

यह भुगतान हमारी साखपत्र सं० का अभिन्न अंग है।

1. प्रारंभिक भुगतान

धनराशि येन जो कि कुल

संविदा मूल्य के प्रतिशत है

अपेक्षित दस्तावेज

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

2. मध्यवर्ती भुगतान (यदि कोई हो)

धनराशि येन

जो कि कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज प्रस्तुत

करने की अंतिम तिथि

3. पोतलदान दस्तावेजों के मद्दे भुगतान

धनराशि येन

संविदा के कुल मूल्य का प्रतिशत है।

टिप्पणी :— पोतलदान दस्तावेजों के मद्दे पूर्ण भुगतान के मामले में इस संलग्न दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है।

अनुबंध - 6

(प्रपत्र ओ०ई०सी०एफ०एल०सी०-2)

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(सेवाओं के लिए)

सेवा में,

दिनांक

यह साखपत्र ऋणी और

विदेशी आर्थिक सहयोग

निधि के बीच हुए ऋण

करार सं० दिनांक

..... के अनुसरण

में जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम में निकालने के लिए पूर्ण व्यौरे मूल्य के लिए लाभकारी ड्राफ्ट एट साइट द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए आपके नाम में हमने अपरिवर्तनीय साखपत्र सं० खोल दिया है जो येन (येन पहले) की कुल धनराशि से अधिक नहीं है।

इसमें संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित (संविदा और परियोजना) से सबन्धित दस्तावेजों की नत्थी करना है सौदा तय करने के लिए ड्राफ्ट में पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

अभी ड्राफ्ट और दस्तावेज अपरिवर्तनीय साखपत्र सं० दिनांक के अन्तर्गत भुना लिए गए हैं से चिह्नित होने चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तान्तरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत इसकी शर्तों का अनुपालन करके भुनाये गये सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशिनी को दस्तावेजों की सुपुर्वगी पर विधिवत् स्वीकार किये जायेंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तार पूर्वक न बताया जाये यह क्रेडिट “यूनिफार्म कस्टम एंड प्रेक्टिस फार डाकुमेंटरी क्रेडिट्स (1974 रिवीजन) इंटरनेशनल चैम्बर आफ कामर्स न० 290” के अधीन है।

सौदा करने वाले बैंक को विधेय अनुदेश :

इसमें गणन प्रपत्र के अनुसार (ऋणी और इसके मनोनीत प्राधिकारी) द्वारा जारी किये गये निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पश्चात् इस क्रेडिट के अन्तर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान अनुसूची के अनुसार किये जाने चाहिये। प्रारम्भिक भुगतान के मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण में बजाय लाभकारी विवरण की आवश्यकता है।

2. ऊपर उल्लिखित ऋण समझौते के अर्धान जारी किये गये वचनबद्धता पत्र के उपबन्धों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि में अपने भुगतानों के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम इफ्टो की धनराशि का मोल-तोल कराने वाले बैंक द्वारा जारी किये गये अनुदेशों के अनुसार परेषित करने का वचन देते हैं।

3. उपर्युक्त मद-1 में यथाउल्लिखित दस्तावेज की एक प्रति और समौदे हमें उसकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही भेजे जायेंगे।

4. इस साख के अन्तर्गत बैंक के सभी खर्चे आयातक/संभरकों को लेखे के लिये हैं।

भवदीय,
(वाणिज्यिक बैंक)

द्वारा
प्राधिकृत हस्ताक्षर

भुगतान अनुसूची

यह भुगतान अनुसूची हमारे साखपत्र सं० का एक अभिन्न अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि येन

कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।
अपेक्षित दस्तावेज लाभकारी विवरण की अन्तिम भुगतान तिथि :

2. भुगतान वृद्धि

संपूर्ण योग की धनराशि येन

कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत
निम्न प्रकार से भुगतान किया जाना है :—

	येन धनराशि	अन्तिम भुगतान
	येन	येन
पहली किश्त	येन	येन
दूसरी किश्त	येन	येन
.....
.....

अपेक्षित दस्तावेज (ऋणी अथवा उसके मनोनीत प्राधिकारी)

द्वारा जारी किए गए निष्पादन के विवरण की एक प्रति जिसका एक प्रपत्र संलग्न है।

निष्पादन का विवरण

दिनांक
संदर्भ सं०

सेवा में,

(संभरक का नाम और पता)

संदर्भ :— ऋण करार सं० के अंतर्गत
..... परियोजना से संबंधित
के नाम में
येन के लिए द्वारा जारी किए गए साख पत्र
की संख्या दिनांक
में, अधोहस्ताक्षरी, प्रतिनिधि (ऋणी) एनद्द्वारा
..... और
के बीच समझौता सं०
दिनांक में निहित भुगतान की शर्तों के अनुसार
समुद्रपार आर्थिक सहायता निधि द्वारा की
धनराशि (..... येन केवल)
प्राप्त करने के लिए एक निष्पादन विवरण जारी करता है।
(.....)

(ऋणी)

द्वारा
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेश :—

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पत्र में दर्शाया जाएगा।

अनुबंध-7

प्रतिपूर्ति की क्रियाविधि :— भारतीय संभरकों से माल और सेवाओं की खरीद के लिए ऋण की रकम के वितरण के लिए क्रियाविधि निम्नलिखित सम्पूरक शर्तों के साथ संलग्न प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होगी।

प्रति जापानी येन के लिए भारतीय रुपए की विनिमय दर मार्ग निर्देशन के खंड 4.07 में यथा निर्दिष्ट होती शरम्भ होने की तिथि को दिए गए निर्णय के अनुसार होगी। प्रतिपूर्ति के लिए आवेदन के साथ ऋणी बोली जारी होने के दिन येन रुपया विनिमय की दर प्रमाणित करते हुए मान्यता प्राप्त बैंक से एक बैंक प्रमाण पत्र भी भेजेगा।

विदेशी आर्थिक सहयोग निधि :

प्रतिपूर्ति क्रियाविधि :

1. ऐसी क्रियाविधि का अनुसरण उन मामलों में करना है जिनमें निधि के वित्तदान के लिए उपयुक्त खर्चे पहले ही कर लिए गए हों। ऐसे खर्चों में निम्नलिखित खर्चे शामिल हैं :—

1. निर्दिष्ट माल के सम्भरकों को भुगतान, या
2. मलाहकारों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के लिए भुगतान या परिवहन, बीमा आदि सेवाओं के लिए भुगतान, या
3. सिविल कार्य ठेकों (इंजीनियरी, निर्माण और संस्थापन) के अन्तर्गत भुगतान ।

ये भुगतान साख-पत्र के अन्तर्गत या अन्य रूप में किए जा सकते हैं । सम्बन्धित ठेकों की शर्तों पर निर्भर करते हुए भी ऐसे भुगतानों में माल के निर्माण, आवधिक या आंशिक सेवाएं प्रदान करने या सिविल कार्यों के ठेकों के अन्तर्गत कार्य की प्रगति के मद्दे किए गए पूर्ण समझौता भुगतान, या अपूर्ण भुगतान या आंशिक (प्रगति) भुगतान हो सकते हैं ।

2. (1) ऊपर उल्लिखित खर्चों के लिए अदायगी का दावा संलग्न प्रपत्र ओ ई सी एफ-आर एम पी में अदायगी के लिए आवेदन भेजकर किया जा सकता है ।

जिन मामलों में निधि स्थानीय मुद्रा (अर्थात् ऋणी के देश की मुद्रा) में किए गए खर्चों के मद्दे रकम में से विदेशी मुद्रा देने के लिए सहमत हो गई हो उनमें आवेदन जापानी येन के अनुसार किया जाएगा और मांगी गई धनराशि स्थानीय मुद्रा के वास्तव में किए गए खर्चों का सहमति प्राप्त भाग होगी । ऐसी स्थानीय मुद्रा की प्रति जापानी येन विनिमय दर निधि और ऋणी के बीच अलग से तय की जाएगी ।

इस बात का सुनिश्चय करने का ध्यान रखना चाहिए कि निधि को आवेदन उस तिथि से कम से कम दस (10) दिन पहले पहुंच जाए जिस तिथि को अदायगी की जाती है ।

(2) इस क्रियाविधि के अन्तर्गत अदायगी के लिए आवेदन पत्र और उसमें संलग्न संक्षिप्त विवरण पत्र निधि की दो प्रतियों में प्रस्तुत किए जाएंगे और दोनों प्रतियां ऋणी या उसके मनोनीत प्राधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित होंगी । आवेदन पत्र के समर्थन में निम्नलिखित दस्तावेज (केवल एक प्रति) भेजे जाएंगे । मूल दस्तावेज भेजना आवश्यक नहीं है, फोटो स्टेट प्रति ही पर्याप्त होगी :—

- (2) किए गए भुगतान की तिथि और धनराशि का साक्ष्य देते हुए निरस्त किया गया बैंक का चेक, डिमाण्ड ड्राफ्ट या समान दस्तावेज, भुगतान की तिथि और धनराशि को प्रदर्शित करने हुए एक मादरी रसीद भी पर्याप्त होगी ।

यदि ऐसी सेवाएं माल के आयात (अर्थात् भाड़ा), बीमा भुगतान से सम्बन्धित हैं तो पर्याप्त विवरण देना चाहिए जिससे कि जिस विशेष माल की लागत निधि द्वारा चुकाई गई है या चुकाई जाती है उस माल से निधि इन मदों में से प्रत्येक को सम्बन्धित कर सके ।

(3) सिविल कार्यों के ठेकों के अन्तर्गत भुगतानों के लिए :

- (1) पूर्ण किए जाने वाले निर्माण/इंजीनियरी कार्य के व्यौरे देते हुए ठेका और उसके लिए भुगतान की शर्तें,
- (2) ठेकेदार द्वारा पूर्ण किए गए कार्य और उसके लिए मांगी गई धनराशि का पर्याप्त व्यौरे देते हुए ठेकेदार मांग, बिल या बीजक,
- (3) इस सम्बन्ध में एक प्रमाण-पत्र कि ठेकेदार द्वारा किया गया कार्य संतोषजनक है और सम्बन्धित ठेके

की शर्तों के अनुसार है ऐसे प्रमाण-पत्र ऋणी द्वारा परियोजना के लिए मनोनीत मुख्य इंजीनियरी अधिकारी हस्ताक्षर करेगा ।

- (4) ठेकेदार को किए गए भुगतान की तिथि और धनराशि का साक्ष्य देते हुए बैंक को निरस्त किया गया चेक, भुगतान की तिथि और धनराशि को प्रदर्शित करते हुए ठेकेदार से एक मादरी रसीद भी पर्याप्त होगी ।

उपयुक्त सभी मामलों में यदि भुगतान साख-पत्र के अन्तर्गत वाणिज्यिक बैंक के माध्यम से किया गया हो तो इस अनुबंध में संलग्न प्रपत्र ओ ई सी एफ-आर एम पी-1 में ऐसे बैंक ने एक रिपोर्ट विनिमय बिल, फ्राम चेक आदि के बदले में प्रस्तुत की जा सकती है ।

3. निधि यह जांच करने के बाद कि अदायगी के लिए आवेदन पत्र सही है, ऋण समझौते के उपबंधों और सम्बद्ध ठेके की शर्तों के अनुसार है तो वह जापान के नियमों और विनियमों के अनुसार आवेदन पत्र में दथा निर्दिष्ट तिथि को टोकियो के विदेशी मुद्रा के किसी प्राधिकृत बैंक में अनावासी स्वतंत्र येन लेख में ऋणी को जापानी येन में आवंटित धनराशि अक्ष करेगी । ऐसी अदायगी ही ऋण का वितरण होगी ।

(क) माल की संपूर्ण/पोतलदान के मद्दे सम्भरकों को किए जाने वाले भुगतानों के लिए :—

- (1) जो माल संभरित किया गया है/लादः जा रहा है उसकी मात्रा और कीमतें निर्दिष्ट करने हुए संभरक से बीजक,
- (2) बीजक में सूचीबद्ध माल के पोतलदान/संपूर्ण का साक्ष्य देते हुए लदान बिल या समान दस्तावेज,
- (3) संभरक को किए गए भुगतान की तिथि और धनराशि का साक्ष्य देते हुए मुद्रा विनिमय बिल या इसी प्रकार के दस्तावेज, भुगतान की तिथि और धनराशि दर्शाते हुए संभरक से एक मादरी रसीद भी पर्याप्त होगी ।

(ख) माल की संपूर्ण/पोतलदान से पहले संभरक को किए गए भुगतानों के लिए :—

- (1) वह ठेका या क्रयादेश जिसके अधीन भुगतान किया गया है,
- (2) संभरक को किए गए भुगतान की तिथि और धनराशि का साक्ष्य देते हुए विनिमय बिल या इसी प्रकार के दस्तावेज, भुगतान की तिथि और धनराशि को दर्शाते हुए संभरक से एक मादरी रसीद भी पर्याप्त होगी ।

(ग) मलाहकारों की सेवाओं के लिए भुगतान के लिए :—

- (1) प्रदान की जाने वाली सेवाओं का स्वरूप और उनकी अवधि का व्यौरे देते हुए मलाहकारों के साथ ठेके और भुगतान की शर्तें,
- (2) मलाहकारों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं, ली गई अवधि और उनको चुकाने योग्य धनराशि के पर्याप्त व्यौरे निर्दिष्ट करते हुए मलाहकारों द्वारा मांगी गई धनराशि,

- (3) सलाहकारों को विगए भूगतान की तिथि और धनराशि का साक्ष्य देने हुए निरस्त बैंक चैक, डिमान्ड ड्राफ्ट या समान वतावेज, भूगतान की तिथि और धनराशि प्रदर्शित करने हुए सलाहकारों से एक माद्री रसीद भी पर्याप्त होगी।

(घ) अन्य अर्पित सेवाओं के लिए भूगतान के लिए :—

- (1) अर्पित सेवाओं के स्वरूप और उनके लिए अदा की गई धनराशि को निर्दिष्ट करते हुए बिल, दावा या बीजक।

4. यह नोट कर लिया जाए कि उपर्युक्त पैरा 2(2) में उल्लिखित सभी मामलों में निधि द्वारा आवंटन किये गए विशेष खर्चों के मद्दे किए जाते हैं। लेकिन, यह भी सम्भव है कि कार्य की वास्तविक प्रगति के आधार पर ऋण के एक विशेष भाग का आवंटन करने के लिए निधि सहमत हो जाए। ऐसे मामलों में वास्तविक खर्चें मूला विशेष में उपलब्ध न होने के कारण निधि जापानी येन में अदायगी के लिए आवेदन स्वीकार कर लेगी। जब तक निधि द्वारा अन्य प्रकार से वांछित न हो या सहमति न हो, प्रत्येक आवेदन पत्र नीचे निर्दिष्ट मंत्रों पर एक प्रमाण पत्र द्वारा समर्थित होगा। प्रमाण पत्र का खंड 1 परियोजना के लिए ऋणी द्वारा मनोनीत मुख्य इंजीनियरी अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित होगा और खंड 2 ऋणी की ओर से आवेदन पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति(यों) द्वारा हस्ताक्षरित होगा।

प्रमाण पत्र (खंड-1)

दिनांक.....

यह प्रमाणित किया जाता है कि दिनांक..... को..... से संबंधित कार्य की प्रगति..... प्रनिशत थी।

हस्ताक्षर

नाम

ओहदा या पदनाम

प्रमाण पत्र (खंड-2)

कार्य की प्रगति के आधार पर निधि के ऋण की धनराशि येन..... (..... येन) है, उपर्युक्त खंड-1 में प्रमाणित प्रतिशतता के आधार पर ऋण के आवंटन के लिए देय धनराशि येन..... (..... येन) आती है। येन..... (..... येन) की धनराशि आवेदन सं०..... तक और उसके सहित अदायगी के लिए आवेदनों पर पहले ही आवंटित कर दी गई है और येन..... (..... येन) की शेष धनराशि का आवंटन करने के लिए अब आवेदन किया जाता है।

(.....)

ऋणी का नाम

द्वारा.....

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

प्रपन. ओ ई सी एफ—आर एम पी

अदायगी के लिए आवेदन पत्र

दिनांक.....

ऋण संख्या

परिशिष्ट क्रम सं०

सेवा में,

विदेशी आर्थिक सहयोग निधि

टोकियो, जापान

ध्यानाकर्षण :—प्रबन्धक, ऋण विभाग

महानुभाव,

1. विदेशी आर्थिक सहयोग निधि जिसे इसके बाद निधि कहा गया है) और (ऋणी) के बीच ऋणी समझौता सं०..... दिनांक..... के अनुसार अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा संलग्न मारांश पत्र (i) में यथा उल्लिखित खर्चों की प्रतिपूर्ति के लिए उक्त ऋण समझौते के अन्तर्गत येन..... (अर्थात्..... येन) की धनराशि की अदायगी के लिए आवेदन करता है।

2. अधोहस्ताक्षरी ने संलग्न मारांश पत्र (i) में उल्लिखित खर्चों की अदायगी या प्रतिपूर्ति के लिए ऋण से किसी भी धनराशि की अदायगी के लिए पहले कभी आवेदन नहीं किया है। यदि कोई लघु अवधि के ऋण या उधार खाता जो इस आवेदन पत्र में आवेदित प्रतिपूर्ति की प्रत्याशा में स्थापित किए गए हैं और इस आवेदन पत्र के अन्तर्गत अदा की जाने वाली निधि के साथ पूर्णरूपेण चुकाने के लिए खोले गए हैं, तो ऐसे प्रत्याशित लघु-अवधि के ऋणों पर चुकाए गए खर्चों, कर्माशन या व्यय इस आवेदन पत्र में आवेदित अदा की जाने वाली धनराशि में शामिल नहीं हैं, ऐसे लघु अवधि के ऋणों को छोड़कर अधोहस्ताक्षरी ने उसको उपलब्ध किसी भी अन्य ऋण, उधार या अनुदान में से ऐसे कार्य के लिए न तो कोई निधि प्राप्त की है और न करेगा।

3. अधोहस्ताक्षरी यह प्रमाणित करता है कि—

(क) एतद्वारा अदा करने के लिए मांगे गए खर्चों ऋण समझौते में उल्लिखित उद्देश्यों पर किए गए थे।

(ख) इन खर्चों से खरीदे गए माल और उक्त ऋण समझौते के अनुसार निधि के साथ तब की गई लागू अधिप्राप्ति किरायावधि के अनुसार अधिप्राप्त किए गए हैं और उनकी खरीद की लागत और शर्तें उचित हैं।

(ग) उक्त माल और सेवाओं की आपूर्ति संलग्न मारांश पत्र (i) उल्लिखित संलग्न (ii) द्वारा की गई थी या की जाएगी और निधि के ऋण के लिए (या, सेवाओं के मामले में, से संबंधित) देश (देशों) को प्रस्तुत की जाएगी।

(घ) अधोहस्ताक्षरी की जहाँ तक जानकारी एवं विश्वास है, इस आवेदन पत्र की तिथि तक ऋण समझौते के अन्तर्गत और न किसी भी गारन्टी के अन्तर्गत कोई भी पूरा नहीं हुई है।

4. रूपा के
(लेनदार)

.....
(टोकियो में प्राधिकृत विदेशी मुद्रा बैंक का नाम और पता)
के साथ गैर आवासीय स्वतन्त्र धेन लेखों में को
प्रपत्र ओ ई सी एफ-आर एम पी-एस एम (अवधि की तिथि)

बुका कर इस आवेदन पत्र में आवेदित धनराशि जमा करें।

5. इस आवेदन पत्र में और
(पृष्ठों की संख्या) (संख्या)
हस्ताक्षरित मार्गण पत्र हैं।

.....
(ऋणी का नाम)
द्वारा
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

ऋण सं०

आवेदन पत्र की क्रम सं०

मार्गण शीट सं०

श्रेणी/उप-श्रेणी का संख्या और शीपक

(10 मदों में अधिक के लिए उसी वर्गों के अतिरिक्त शीट का उपयोग करें)

क्रम सं०	मुद्राओं की नारीक	उदान का देश	माल और सेवाओं का विवरण	संभरण लेने या कृत आदेश का सं० और दिनांक	संभरक का नाम और पता	भुगतान की तिथि	अदा की गई धनराशि स्थानीय मुद्रा में	दाया की गई धनराशि धनराशि सहमत भाग (9/8-%)	किंग राग भुगतान की किम्म	अभ्युक्ति
----------	-------------------	-------------	------------------------	---	---------------------	----------------	-------------------------------------	---	--------------------------	-----------

1
2
3
4
5
6
7
8
9
10

कुल

टिप्पणी कालम 9 का प्रत्येक मद के सामने संकेत किया जाना है चाहे भुगतान तत्क्षण भुगतान के रूप में हो या किशतों में (यदि ऐसा है तो किशतों की संख्या) या तब किंग राग के अनुसार पूर्ण अन्तिम भुगतान है।

ओ ई सी एफ-आर एम पी-1
भुगतान की वाणिज्यिक बैंक की रिपोर्ट
दिनांक
सेवा से
.....
(ऋणी या ऋणी के प्रतिनिधि का नाम और पता)
महोदय,
हम
(क्रेता का नाम और पता)

के लेखों के लिए
(संगत बैंक का नाम और पता)
द्वारा स्थापित साख पत्र सं० के अन्तर्गत
..... को को
(संभरक का नाम और पता) (भुगतान की तिथि)
..... की धनराशि अदा करने के बाद सूचना देते हैं।
(धनराशि की मुद्रा)
हमारे भुगतान का कमीशन धनराशि बनती है।
(धनराशि की मुद्रा)

भुगतान तथा निर्यात के लिए वित्त की सुविधा व
 मद्दे और
 (पोलदान का पतन)

 (गन्तव्य स्थान) (सीदे का सामान्य विवरण मात्रा आदि
 सहित)
 के पोलदान का माध्य प्रस्तुत करने हुए उपर्युक्त माध्यपत्र की
 शर्तों के अनुसार किया गया।

समुद्रो दस्तावेज हमारे उपर्युक्त संगत बैंक को भेज दिए
 गए हैं। संभव के बीजक की प्रति संलग्न है।

भवदीय,

(वार्णिज्यिक बैंक)

द्वारा

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

MINISTRY OF COMMERCE
 IMPORT TRADE CONTROL
 PUBLIC NOTICE NO. 33-ITC(PN)/83
 New Delhi, the 25th August, 1983

Subject :—Licensing conditions for import of goods and services under the Yen Credit of Yen 2.0 Billion for the implementation of the Tamil Nadu State Micro Hydro Power Stations Construction Project.

File No. IPC/23(5)/83.—The terms and conditions in respect of imports of goods and services under the Yen Credit of Yen 2.0 Billion for the implementation of the Tamil Nadu State Micro Hydro Power Stations Construction Project extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan, as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

P. C. JAIN, Chief Controller of Imports & Exports.

APPENDIX TO MINISTRY OF COMMERCE
 PUBLIC NOTICE NO. 33-ITC(PN)/83 DATED
 25th AUGUST, 1983

Licensing conditions in respect of Imports of goods and services under the yen credit of yen 2.0 Billion for the implementation of the Tamil Nadu State Micro Hydro Power Stations construction project extended by the overseas economic co-operation Fund (OECF) of Japan.

Section I—General conditions :

I. (i) The Yen Credit of ₹ 2.0 billion extended by the Overseas Economic Co-operation

Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Tamil Nadu State Micro Hydro Power Stations Construction Project is untied in favour of Japan and developing countries. Accordingly the goods and Services to be procured under this credit can be imported from Japan and all countries enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I. (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD/CG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed ₹ 2,200 million (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of the issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)/74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins, that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P.23". The first and second suffix to the licence code will be "S/JC". This will also be repeated in the letter from the CCI&E for wording the import licence to Tamil Nadu Electricity Board (T.N.E.B.), a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section).

I.(iii) Import licence(s) can be issued only in favour of TNEB on CIF basis.

I(iv) Depending on the convenience of TNEB more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed ₹ 2,200 million (CIF) as specified at (i) above.

I(v) The extension of the validity of the import licence, may on application by TNEB, be granted upto 31-12-1986. Request for further extension, if any, should be referred to the Department of Economic Affairs (Japan Section).

I(vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore be charged to the licence.

I(vii) Firm order must be placed on FOB basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Freight and insurance charges will be payable in India in Indian rupees. "Firm orders" means purchase orders placed by the Indian Licencee on the overseas supply duly signed by the letter or purchase contract duly signed by both the Indian importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I(ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I(vii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will the authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupees equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I(x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :

..... months after the receipt of Letter of credit but to be completed latest by the end of"

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-12-1986.

Section II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II (i) The FOB value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II (ii) The main guidelines for procurement of goods and services the OECF Yen Credit (Project Aid) are given in Annexure II. However, normally the procurement of goods and services should be made through Formal Open International Tendering and the following points should be borne in mind :—

- (a) Invitations to bid shall have to be advertised in atleast one newspaper of general circulation in India.
- (b) Bid bonds or bidding guarantees are a usual requirement but they should not set so high as to discourage suitable bidders.
- (c) Bid bonds or guarantees should be released to unsuccessful bidders as soon as possible after the bids have been opened.

II (iii) In cases where Formal Open International Tendering is not considered appropriate the Fund will accept the following alternative procedures :—

- (a) Where the importer has convincing reasons or maintaining a reasonable standardisation of his equipment.
- (b) Where the number of qualified suppliers is limited.
- (c) Where the amount involved in the procurement is so small that foreign firms clearly would not be interested or that the advantages of formal open international tendering would be outweighed by the administrative burden involved.
- (d) Where, in addition to the cases (a), (b) and (c) above, the Fund deems it inappropriate to follow the formal open international tendering procedures or the Fund deems such procedure inapplicable, e.g., in case of emergency procurement.

In the above mentioned case the following procurement procedure may be applied in such a manner as to comply with the formal open international tendering procedures to the fullest possible extent as appropriate.

- (i) Formal Selective International Tendering.
- (ii) Informal International Competitive Procurement.
- (iii) Direct Purchases from a single supplier.
- (e) The Borrower shall obtain the prior approval of the Fund, if the Borrower wishes to adopt procurement procedures other than Formal Open International Tendering for goods and services to be financed out of the proceeds of the Loan, submitting to the Fund an application for approval of procurement method(s) signed by a duly authorized person together with its reasoning.
- (f) Prior to inviting bids for the procurement of goods and services, the Borrower shall submit to the Fund for its approval copies of all notices and instructions to bidders, the bid form, general conditions of contract, specifications and drawings and all other documents relevant to the bidding.

TNEB should submit immediately, in triplicate, copies of all notices and instructions to bidders, the bid form, general conditions of contract, specifications and drawings and all other documents relevant to bidding to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) who will submit these documents to the OECF for its approval as provided in para 1(3) of schedule 4 of the Loan Agreement.

II(iv) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P.23 for 1982-83 the details of which are given in Section VI below :

II(v) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II(vi) Eligibility of Supplier.—Supplier shall be nationals of the eligible source countries or juridical persons incorporated and registered in the eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II (vii) Declaration in Contract.—The following statements of eligibility by the supplier shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in, (name of eligible source country).

I, the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than thirty per cent (30%) in accordance with the following formula :

$$\frac{\text{Imported CIF Price} + \text{Import Duty}}{\text{Supplier's Price (where applicable Ex-factory Price)}} \times 100$$

and

"I, the undersigned, hereby certify that (Name of company) has been incorporated and registered in (Name of eligible source country), and is controlled by nationals of the eligible source countries".

II. (viii) Permissible imports from non-eligible source countries.—Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than thirty per cent (30%) of the price per unit of such products in accordance with the following formula :

$$\frac{\text{Imported CIF Price} + \text{Import Duty}}{\text{Supplier's FOB Price (in case of Indian Suppliers, Ex-factory Price shall be adopted)}} \times 100$$

Section III—Conditions to be incorporated in the supply contracts.

III(i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Co-operation Fund of Japan (OECF) dated the 23rd February, 1983 concerning the Yen Credit No. ID-P.23 (Project Aid) for Tamil Nadu State Micro Hydro Power Stations Construction Project, and will be subject to the approval of Government of India and the Overseas Economic Co-operation Fund.
- (b) Payments to the supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P. 23 dated the 23rd February, 1983 between the Government of India and the Overseas Economic Co-operation Fund (OECF) of Japan.

- (c) The overseas suppliers agree to furnish such information and documents may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii).

III (ii) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain in clause that the Japanese supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the Indian importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV—Contract Approval by OECF.—IV (i) Within the stipulated period for placement of fire orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both T.N.E.B. and overseas suppliers supported by order confirmation in writing by the overseas supplier or their photo copies complete in all respects, together with two photo copies of the relevant valid import licence, to Japan Section, Department of Economic Affairs Ministry of Finance, North Block, New Delhi.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (DEA) Japan Section will arrange to send one copy of the contract documents to the OECF for their approval for financing under Yen Credit No. ID-P.23 (Project Aid) for Tamil Nadu State Micro Hydro Power Stations Construction Project.

Section V.—Payment to the overseas suppliers—Letter of Credit Procedure.

V (i) On receipt of the intimation of the contract approval from the OECF, by the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Japan Section, T.N.E.B. and the CAA & A will be informed of the same. Whereafter the TNEB should approach the Controller of Aid Accounts & Audit, (hereinafter referred to as CAA & A) Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi with a request in the form attached as Annexure III for issue of a letter of authorisation. The CAA & A will issue a letter of authorisation

as in the form attached as Annexure-IV addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached as Annexure-V (for physical imports) or Annexure-VI (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-V (applicable to physical imports) or VI (applicable to services) in favour of the overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA & A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA & A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges, if any, of overseas supplier's bankers are to be borne by the TNEB overseas suppliers. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas supplier to the date of reimbursement by the OECF shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

Section VI—Responsibility for rupee deposit.

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or S.B.I., Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee equivalents of the Yen payments calculated @9 per cent per annum for the first 30 days and

@ 15 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 46-ITC(PN)/76, dated 16-6-76. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the overseas supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74, dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76, dated 12-10-1976.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notices No. 109-ITC(PN)/74, dated 3-8-1974 and No. 8-ITC(PN)/76, dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI & E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances—843—Civil Deposits—Deposits for purchase etc. abroad—Purchase under credits/Loan Agreements" Loans from the Government of Japan—2.0 Billion Yen Credit No. ID-P.23 for Tamil Nadu State Micro Hydro Power Stations Construction Project.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi, or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68, dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)/68, dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)/71, dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74, dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76, dated 12-10-1976.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71, dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans :—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.

- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.

- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA & A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

NOTE :—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA & A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VIII—Miscellaneous provisions

VIII (i) Reports on the utilisation of the import licence.—The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

VIII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions.—The licensee should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VIII (iii) Disputes.—It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-III under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VIII (iv) Future Instructions.—The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P.23 with the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan.

VIII (v) Breach or violation — Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VIII (VI) LIST OF ANNEXURES

Annexure—I	List of eligible source countries
Annexure—II	Broad Guidelines for Procurement
Annexure—III	Request for issue of Letter of Authority
Annexure—IV	Form of Letter of Authority
Annexure—V	Form of Letter of Credit (Applicable to Physical Imports).
Annexure—VI	Form of Letter of Credit (Applicable to Services)
Annexure—VII	Reimbursement Procedure

ANNEXURE -I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A Developing Countries and Territories

(a) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt
Morocco
Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola
Botswana
Burundi
Cameroon
Cape Verde Islands
Central African Rept.
Chad
Comoro Islands
Congo, People's Republic of Dahomey
Equatorial Guinea (1)
Ethiopia
Gambia
Ghana
Guinea
Ivory Coast
Kenya
Lesotho
Liberia
Malagasy Republic
Malawi
Mali
Mauritania, Mauritius
Mozambique
Niger
Portuguese Guinea
Reunion
Rhodesia
Rwanda
St. Helena and Dep. (2)
Sao Tomé and Principe
Senegal
Seychelles
Sierra Leone
Somalia
Sudan
Swaziland

Togo
Uganda
Un. Rep. of Tanzania
Upper Volta
Zaire Republic
Zambia

III. AMERICA, North and Central

Bahamas
Barbados
Belize
Bermuda
Costa Rica
Cuba
Dominican Republic
El Salvador
Guadeloupe
Guatemala
Haiti
Honduras
Jamaica
Martinique
Mexico
Netherlands Antilles
Nicaragua
Panama
St. Pierre & Miquelon
Trinidad and Tobago

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando Po.

(2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gough.

(3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba, St. Eustacit St. Martin (Southern part).

AMERICA, North & Central

(Continued)

West Indies (Br.) n.i.e.

(a) Associated States (1)

(b) Dependencies (2)

IV. AMERICA, South

Argentina
Bolivia
Brazil
Chile
Colombia
Falkland Islands
French Guiana
Guyana
Paraguay
Peru
Surinam
Uruguay

V. ASIA, Middle East

Bahrain
Israel
Jordan
Lebanon
Oman
Syrian Arab Republic
United Arab Emirates (3)

Yemen Arab Republic
Yemen, People's D.K. (4)

VI. ASIA, South

Afghanistan
Bangladesh
Bhutan
Burma
India
Maldives
Nepal
Pakistan
Sri Lanka

VII. ASIA, Far East

Brunei
Hong Kong
Khmer Republic
Korea, Republic of
Laos
Macao
Malaysia
Phillippines
Singapore
Taiwan
Thailand
Timor
Viet-Nam, Rep. of
Viet-Nam Dem. Rep.

VIII. OCEANIA

Cook Islands
Fiji
Gilbert & Ellice Is.
French Polynesia (5)
Nauru
New Caledonia
New Hebrides (Br. and Br.)
Niue
Pacific Islands (US) (6)
Papua New Guinea
Solomon Islands (Br.)
Tonga
Wallis and Futuna
Western Samoa

- (1) Main islands: Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Christopher), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.
- (2) Main islands: Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.
- (3) Ajman, Dubai, Fujairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quaiwain.
- (4) Including Aden and various sultanates and emirates.
- (5) Comprising the Society Islands (including Tahiti), The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.
- (6) Trust Territory of the Pacific Islands: Caroline Islands, Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam).

IX. EUROPE

Cyprus
Gibraltar
Greece
Malta
Spain
Turkey
Yugoslavia

(a2) Member or Association Countries of OPFC

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia

ANNEXURE-II

Main Guidelines for Procurement of goods And Services Under The Project Loan As Formulated By O.E.C.F.

I. Advertising

For all contracts subject to Formal Open International Tendering, invitations to bid shall be advertised in atleast one newspaper of general circulation in India.

II. Bidding Documents and Contracts

II.1. Bid Bonds or Guarantees.—Bid Bonds or bidding guarantees are a usual requirement but they should not be set so high as to discourage suitable bidders. Bid bonds or guarantees should be released to unsuccessful bidders as soon as possible after the bids have been opened.

II.2. Conditions of Contract.—The conditions of contract should clearly define the rights and obligations of the importer and the contractor or supplier and the powers and authority of the engineer, if one is employed by the importer in the administration of the contract and any variations thereunder. In addition to the customary general conditions of contract, some of which are referred to in these Guidelines, special conditions appropriate to the nature and location of the project should be included.

II.3 Type and Size of Contract.—Contracts can be let on the basis of unit prices for work performed or items supplied or of a lump sum price, or a combination of both for different portions of the contract, according to the nature of the goods or services to be provided and the bidding documents should clearly state the type of contract selected.

Contracts based principally on the reimbursement of actual costs are not acceptable by the Fund except in exceptional circumstances.

Single contracts for engineering, equipment and construction to be provided by the same party ("Turnkey Contracts") are acceptable if they offer technical and economic advantages for the borrower country.

II-4. Eligible suppliers.—Exporters or suppliers whose goods and services are to be financed out of the proceeds of the Loan (hereinafter referred to as "the eligible supplier") shall be nationals of the eligible source countries satisfying the following conditions.

- (1) a majority of subscribed shares shall be held by nationals of the eligible source countries,
- (2) a majority of full-time directors shall be nationals of the eligible source countries and
- (3) such juridical 'persons' shall be registered in the eligible source countries.

III-1. Contract Price

- (a) The contract price should be stated in Japanese Yen provided, however, that the portion of the contract price which the contractor will spend in the borrower's country should be stated in the borrower's currency.
- (b) Price Adjustment Clauses.—Bidding documents should contain a clear statement whether firm prices are required or escalation of the bid prices is acceptable.

A provision should be made for adjustment in the contract prices in the event changes occur in the prices of the major cost constituents of the contract, such as labour and important materials.

The specific formula for price adjustments should be clearly defined in the bidding documents.

A ceiling on price adjustment should be included in contracts for the supply of goods, but it is not usual to include such a ceiling in contracts for civil works.

No price adjustments should normally be provided for goods to be delivered within one year.

The Guidelines do not attempt to identify the various methods by which contract prices may be adjusted.

- (c) Insurance.—The bidding documents should state precisely the types of insurance to be provided by the successful bidder.

III-2. The contract duly signed by both parties or purchase order by the Indian importer placed on the overseas supplier supported by order confirmation in writing by the overseas supplier, or their photo copies are also acceptable to the Fund.

III-3. The following statement of eligibility by the supplier shall be added to each contract.

"I (We) hereby state that my (our) company is an eligible supplier, as _____ per cent (_____ per cent) of the shares are held by nationals of _____ (eligible source country), and _____ per cent (_____) of the directors are nationals _____ (eligible source country) and my (our) company has been registered in _____ (eligible source country)".

IV-1. Standards.—If nationals standard to which equipment or materials must comply are cited, the specifications should state that commodities meeting Japan Industrial Standard or other internationally accepted standards, which ensure an equal or higher quality than the standards mentioned, will also be accepted.

IV-2. Use of Brand Names.—Specification should be based on performance capability and should only prescribe brand names, catalogue numbers, or products of specific manufacturer if specific spare parts are required or it has been determined that a degree of standardization is necessary to maintain certain essential features. In the latter case the specifications should permit offers of alternative commodities which have similar characteristics and provide performance and quality at least equal to those specified.

IV-3. Guarantees, Performance Bonds and Retention Money.—Bidding documents for civil works should require some form of surety to guarantee that the work will be continued until it is completed. This surety can be provided either by a bank guarantee or by a performance bond, the amount of which will vary with the type and magnitude of the work, but should be sufficient to protect the borrower in case of default by the contractor. Its life should extend sufficiently beyond completion of the contract to cover a reasonable warranty period. The amount of the guarantee or bond required should be defined in the bidding documents.

In contracts for the supply of goods it is usually preferable to have a percentage of the total payment held as retention money to guarantee performance than to have a bank guarantee or bond.

The percentage of the total payment to be held as retention money and the conditions for its ultimate payment should be stipulated in the bidding documents. If, however, a bank guarantee or bond is preferred it should be for a nominal amount.

V. Liquidated Damage.—Liquidated damage clauses should be included in bidding documents when delays in completion or delivery will result in extra cost, loss of revenues or less of other benefits to the borrower. Provision may also be made for a bonus to be paid to contractors for completion of civil works contracts at or ahead of times specified in the contract when such earlier completion would be of benefit to the borrower.

VI. Force Majeure.—The conditions of the Contract included in the bidding documents should contain clauses, when appropriate, stipulating that a failure on the part of the parties to perform their obligations under the Contract shall not be considered a default under the Contract if such failure is the result of an event of force majeure (to be defined in the conditions of the Contract).

VII. Settlement of Disputes.—Provision dealing with the settlement of disputes should be included in the conditions of the Contract. It is desirable that the provisions should be based on "Rules of Conciliation and Arbitration" which have been prepared by the international Chamber of Commerce or on such other arrangements as may be mutually acceptable to the Indian Importer and the overseas supplier.

VIII.—Language Interpretation.—Bidding documents should be prepared in English. If other language should be used in the bidding documents, English should be added to such documents and it is required to specify which is governing.

IX. Bid Opening, Evaluation and Award of Contract

IX. 1. Time Interval between Invitation and Submission of Bids—The time allowed for preparation of bids will depend to a large extent upon the magnitude and complexity of the contract. Generally not less than 30 days should be allowed for international bidding. The time allowed, however, should be governed by the circumstances relating to each contract.

IX. 2. Bid Opening Procedures—The date, hour and place for the latest receipt of bids and for the bid opening should be announced in the invitations to bid and all bids should be opened publicly at the stipulated time. Bids received after this time should be returned unopened. The name of the bidder and the total amount of each bid and of any alternative bids, if they have been requested or permitted, should be read aloud and recorded.

IX. 3. Clarifications or Alternation of Bids—No bidder should be permitted to alter his bid after the bids have been opened. Only clarifications not changing the substance of the bid may be accepted. The importer may ask any bidder for a clarification of his bid but should not ask any bidder to change the substance or the price of his bid.

IX. 4. Procedures to be confidential—Except as may be required by law, no information relating to the examination, clarification and evaluation of bids and recommendations concerning award should be communicated after the public opening of bids to any persons not officially concerned with these procedures until the award of a contract to the successful bidder is announced.

IX. 5. Examination of Bids—Following the opening, it should be ascertained whether material errors in computation have been made in the bids, whether the bids are fully responsive to the bidding documents, whether the required sureties have been provided, whether documents have been properly signed and whether the bids are otherwise generally in order. If a bid does not substantially conform to the specifications, or contains inadmissible reservations or is not otherwise substantially responsive to the bidding documents, it should be rejected. A technical analysis should then be made to evaluate each responsive bid and to enable bids to be compared.

IX. 6. Post-qualification of Bidders—In the absence of prequalifications, the borrower should determine whether the bidder whose bid has been evaluated the lowest has the capability and financial resources effectively to carry out the contract concerned. If the bidder does not meet that test, his bid should be rejected.

IX. 7. Evaluation and Comparison of Bids—Bid evaluation must be consistent with the terms and conditions set forth in the bidding documents. In addition to the bid price, adjusted to correct arithmetical errors other factors such as the time of completion of construction or the efficiency and compatibility of the equipment, the availability of service and spare parts, and the reliability of construction methods proposed should be taken into consideration. To the extent practicable these factors should be expressed in monetary terms according to criteria specified in the bidding documents. The amount of escalation for price adjustments, if any, included in the bids should not be taken into consideration.

The currency of currencies in which the price offered in each bid would be paid by the borrower if that bid were accepted should be valued in terms of a single currency selected by the borrower for comparison of all bids and stated in the bidding documents. The rates of exchange to be used in such valuation should be the selling rates published

by an official source, and applicable to similar transactions on the day bids are opened unless there should be a change in the value of currencies before the award is made. In such cases the exchange rates at the time of the decision to notify the award to the successful bidder should be used.

IX. 8. Rejection of Bids—Bidding documents usually provide that borrowers may reject all bids. However, all bids should not be rejected and new bids invited on the same specifications solely for the purpose of obtaining lower prices in the new bids, except in cases where the lowest evaluated bid exceeds the costs estimates by a substantial amount. Rejection of all bids may also be justified when (a) bids are not responsive to the intent of the bidding documents, or (b), there is a lack of competition. If all bids are rejected, the borrower should review the cause or causes justifying the rejection and either consider revision of the specifications or modifications in the project (or amounts of work on items called for in the original invitation to bids), or both. In special circumstances, after consultation with the Fund, the borrower may negotiate with one or two of the lowest bidders to try to obtain a satisfactory contract.

IX. 9. Award of Contract—The Award of a contract should be made to the bidder whose bid has been determined to be the lowest evaluated bid and who meets the appropriate standards of capability and financial resources. Such bidder should not be required, as a condition of award, to undertake responsibilities on commodities not stipulated in the specifications or to modify his bid.

ANNEXURE III

Request for issue of the Letter of Authority

No. Date

To

The Controller of Aid Accounts and Audit,
Ministry of Finance,

Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street, New Delhi-110001.

Subject.—Import of _____ from
under the Yen Credit OECF Loan
Agreement No. _____.

Sir,

In connection with the import of _____
from _____ under the above mentioned
Yen Credit OECF Loan Agreement No. _____
we furnish the following particulars to enable you
to issue the Letter of Authority to the _____
(name of the Bank which should be the same as

given in (p) below) for opening a letter of credit
in favour of the overseas suppliers concerned :—

- (a) Name and Address of the Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date up-to which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or Formal Open International Tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB value of contract (in Yen).
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any, payable in Indian rupees.
- (i) Net FOB value in Yen payable to Overseas Suppliers for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract.
- (k) Name and Address of the Overseas Supplier.
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of Sets of each and their disposal).
- (n) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and Address of the importer's bank in India.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the Number, date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the Importer/Supplier.

ANNEXURE IV

(Letter of Authority Form)

No. F.

Government of India
 MINISTRY OF FINANCE
 (Department of Economic Affairs)
 New Delhi, the

To

The Bank of India,
 Tokyo Branch, Tokyo (Japan)

Subject—Import under Yen credit (Project Aid)
 —Loan Agreement No. Issue
 of Letter of Authority for opening Letter
 of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25-3-1980 entered into with your Bank you are hereby authorised to open irrevocable Letter of Credit for an amount not exceeding Yen favouring M/s. as per attached details.

A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importers' Bank, to the OECF, Embassy of India, Tokyo and to us.

Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

Interest charges payable to you, for the time lag between the dates of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement by the OECF, shall be settled by you with the concerned importers' Bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of the overseas supplies bankers, if any, are to be borne by the importer/overseas suppliers. As such no reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

This Letter of Authority is intended for opening of Letter of Credit favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/C against this authorisation may not be acted

upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

This Letter of Authority will remain valid upto.....

Yours faithfully,

(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importer..... with reference to their Letter No. dated

2. Importers' Banker..... They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas supplies on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or such other Public notice as may be issued from time to time. Interest @ 9% per annum for the first thirty days and at the rate of 15% per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/date of reimbursements to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account, is also required to be deposited into the Government of India Account in terms of Public Notice No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-1976. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the overseas supplier and also the date on which rupee deposit is made into Government Account (Any change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN)/68, dated 30-8-68, 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-68, 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-71, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-74 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-76. The head of Account to be credited is "K-Deposits and Advances-843-Civil Deposits-Deposits for purchases etc. abroad-Purchases under Credit/Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan-2.0 billion Yen credit No. ID-P. 23 for Tamil Nadu State Micro Hydro Power Stations Construction Project.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC

(PN)/71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below along with a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the dates of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting Government of India's account.

3. The Director, Loan Department II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Godo Building, 4-1, Ohtemachi 1-Chome, Chivoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs New Delhi.

ANNEXURE V

Form OECF-LC 1

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for goods)

Date :

To

..... This Letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agree

..... ment No.

(Name and address of the Supplier) dated between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC CO-OPERATION FUND.

Dear, Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable Credit No. in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of (say Yen) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents:—

Signed commercial invoice in

Full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight" and "Notify"

Other documents,

Evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. (if any) from to Partial shipments are Permitted Transshipment is permitted. Bills of lading must be dated not later than Drafts must be presented for negotiation not later than

All drafts and documents under this credit must be marked "Drawn under irrevocable credit No., dated and Import Reference No. (s) (if any) "

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1971 Revision), International Chamber of Commerce Publication No. 290"

Special Instruction to the negotiating bank:

1. After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.
2. The negotiating bank must forward the drafts and on complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to
3. All banking charges under this Credit are for the account of the importer/supplier.

Your faithfully,

.....
(commercial bank)

By
(Authorized Signature)

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our Letter of Credit No.

I. Initial Payment

Amount ¥ being % of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date:

II. Intermediate payment (if any)

Amount ¥ being % of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date :

III. Payment against Shipping Documents

Amount ¥ being % of the total contract price

Note : This attached sheet is not required in case of full payment against Shipping Documents.

ANNEXURE-VI

Form OECF-LC II

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for Services)

Date :

To :

----- This letter of credit has been
 ----- issued pursuant to Loan Agree-
 ----- ment No. dated
 (Name and address of thebetween (Borrower)
 Supplier). and THE OVERSEAS ECO-
 NOMIC COOPERATION
 FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Y. (Say Yen) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No.) with regard to Project). Drafts must be presented for negotiation not later than

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. dated

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credit (1974 Revision), International Chamber of Commerce Publication No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank:

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments, the beneficiary's Statement is required instead of the above-mentioned Statement of Performance.
2. After obtaining the reimbursement for our payment from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
3. A copy of the document as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipts thereof.
4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By :

(Authorized Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No.

I. Initial Payment

Amount : γ
 being % of the total contract price

Required documents : beneficiary's Statement

Latest presentation date:

II. Progress Payment

Aggregate amount γ
 being % of the total contract price to be paid as follows:

	Amount due	Latest presentation date
1st instalment :	γ ---	-----
2nd instalment :	γ ---	-----

Required documents : a copy of Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority), a form of which is attached hereto.

STATEMENT OF PERFORMANCE

Date :

To :

Ref. No.

(Name and address of the Supplier).

Ro : Letter of Credit No. dated
 issued by
 for γ in favour of
 concerning Project under Loan Agreement No.

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle to receive the sum of γ (Yen only) from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the Payment Terms stipulated in the Contract No. dated between and

(Borrower)

By :
 (Authorised Signature)

Special Instructions :

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

ANNEXURE VII

Reimbursement Procedure

Procedure for disbursement of the proceeds of the Loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with

REIMBURSEMENT Procedure attached hereto, with the following supplemental stipulation :

The exchange rate of Indian Rupees per Japanese Yen shall be as ruling on the date of bid opening as specified in Section 4.07 of the Guidelines. Along with the Request for Reimbursement, the Borrower shall also furnish a certificate from a recognised bank certifying the Yen--Rupee exchange rate on the day of bid opening.

THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND

REIMBURSEMENT PROCEDURE

1. This procedure is to be followed in cases where expenditures, eligible for the Fund's financing, have already been incurred. Such expenditures may represent:

- (i) payments to suppliers of specified goods; or
- (ii) payments for services rendered by consultants or for services such as transportation, insurance etc., or
- (iii) payments under civil works (engineering, construction, and installation) contracts.

These payments may be made under a letter of credit or otherwise. Also, depending upon the terms of relevant contracts, such payments may represent the final settlement payments, or down payments or part (progress) payments against manufacture of goods, periodical or partial rendering of services or periodical progress of work under civil works contracts.

2.(1) Reimbursements for expenditures described above may be claimed by sending the Request for Reimbursement in the Form OECF-RMP attached hereto.

In cases where the Fund has agreed to provide, out of the Loan, foreign exchange against expenditure in local currency (i.e. currency of the country of the Borrower), the Request shall be made in terms of Japanese Yen and the amount claimed shall be the agreed portion of local currency expenditures actually incurred. The exchange rate of such local currency per Japanese Yen shall be agreed upon separately between the Fund and the Borrower.

Care should be taken to ensure that the Request reaches the Fund at least ten (10) days before the date on which reimbursement is made.

(2) The Request for Reimbursement under this Procedure including the Summary Sheet(s) attached thereto shall be presented in two copies to the Fund and both copies shall be signed by the Borrower or its designated authority. The

following documents shall be furnished (in one copy only) in support of the Request. It is not necessary to furnish original documents; a photo-state copy will suffice.

(a) For payments to suppliers against delivery shipment of goods.—

- (i) supplier's invoice specifying the goods, with their quantities and prices, which have been or are being supplied/shipped;
- (ii) bill of lading or similar document evidencing shipment/delivery of the goods listed on the invoice;
- (iii) bill of exchange or similar document evidencing the date and amount of payment made to the supplier; a simple receipt from the supplier showing the date and the amount of payment would also suffice.

(b) For payments to suppliers made prior to delivery/shipment of goods.—

- (i) the contract or purchase order under which payment has been made;
- (ii) bill of exchange or similar document evidencing the date and amount of payment made to the supplier; a simple receipt from the supplier showing the date and amount of payment would also suffice.

(c) For payments for consultants' services.—

- (i) the contract with consultants detailing the nature and duration of services, to be rendered and terms of payment;
- (ii) the claim put in by the consultants indicating, in sufficient details, the services rendered, period covered, and amount payable to them;
- (iii) cancelled bank check, demand draft or similar document evidencing the date and amount of payment made to the consultants; a simple receipt from the consultants showing the date and amount of payment would also suffice.

(d) For payments for other services rendered.—

- (i) the bill, claim or invoice specifying the nature of services rendered and amounts charged therefor.
- (ii) cancelled bank check, demand draft or similar document evidencing the date and amount of payment made; a simple receipt showing the date and amount of payment would also suffice.

If such services relate to importation of goods (e.g. freight, insurance payments) adequate

references shall be given to enable the Fund to relate each of these items to the specific goods the cost of which has been or is to be financed by the Fund.

(e) For payments under civil works contracts, —

- (i) the contract detailing the construction engineering work to be performed and terms of payment therefor;
- (ii) the claim, bill or invoice of the contractor showing, in sufficient detail, the work performed by the contractor and amount claimed therefor;
- (iii) a certificate to the effect that the work performed by the contractor is satisfactory and in accordance with the terms of the relevant contract, such certificate shall be signed by the chief engineering officer of the Borrower assigned to the Project.
- (iv) cancelled bank check for similar document evidencing the date and amount of payment made to the contractor; a simple receipt from the contractor showing the date and amount of payment would also suffice.

(3) In all the above cases, if payment has been made through a commercial bank under a letter of credit, a report from such bank in the Form OECF-RMP—1 attached hereto, can be furnished in lieu of bill of exchange, crossed check etc.

3. When the Fund, after examination, finds the Request for Reimbursement in order and in conformity with the provisions of the Loan Agreement and the terms of the Contract concerned, the Fund shall reimburse the requested amount in Japanese Yen by paying it into a non-resident free yen account to be opened by the Borrower with an authorized foreign exchange bank in Tokyo, in accordance with the relevant laws and regulations in Japan, on the date as specified in the Request. Such reimbursement shall constitute a disbursement of the Loan.

4. It may be noted that in all the cases described in paragraphs 2(2) above, the Fund's disbursements are to be made against evidence of specific expenditures incurred. It is, however, possible that the Fund may have agreed to disburse a specified portion of the loan amount on the basis of physical progress of work. Evidence of actual expenditures in specific currencies being not available, in such cases, the Fund will accept the Request for Reimbursement expressed in Japanese Yen. Each Request, unless otherwise required or agreed by the Fund, shall be supported by a certificate on the lines indicated below. Part I of the certificate shall be signed by the chief engineering officer of the Borrower assigned to the Project; Part II of

the certificate shall be signed by the person (s) authorized to sign the Request on behalf of the Borrower

CERTIFICATE (PART I)

Date :

It is certified that as of, the progress of the work (date) relating to was percent.

Signature :

Name

Title or designation :

CERTIFICATE (PART II)

Date :

The amount of the Fund's loan on the basis of progress of work is ¥ (Say Yen); on the basis of percentage certified in Part I above, the amount due for disbursement of the loan comes to ¥ (Say Yen) Amount of ¥ (Say Yen) has already been disbursed under the Requests for Reimbursement upto and including the Request No. and the balance of ¥ (Say Yen) is now requested to be disbursed.

.....
(name of Borrower)

By :
(Authorized Signature)

Form : OECF-RMP

Request for Reimbursement

Date :

Loan No. :

App. Serial No.

TO : The OVERSEAS ECONOMIC CORPORATION FUND, Tokyo, Japan.

Attn : Manager, Loan Department.

Gentlemen :

1. Pursuant to the Loan Agreement No. ——— dated ——— between THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND (hereinafter referred to as the Fund) and (Borrower), the undersigned hereby requests for reimbursement, under said Loan Agreement, of the sum of ' ¥ ——— (Say Yen ———) in reimbursement of expenditures as described in the attached Summary Sheet(s).

2. The undersigned has not previously requested for reimbursement of any amounts from the Loan for the purpose of reimbursing or of meeting the expenditures described in the attached Summary Sheet(s). The undersigned has not obtained nor will obtain funds for such purpose out the proceeds of any other loan, credit or grant available to the

undersigned except short-term loans or credits, if any, established in anticipation of the reimbursement requested for herein and to be repaid pro tanto with the funds reimbursed hereunder and any charges, commission or interest paid or payable under such anticipatory short-term credits are not included in the amount herein requested to be reimbursed.

3. The undersigned certifies that—

- (a) the expenditures, hereby sought to be reimbursed, were made for the purposes specified in the Loan Agreement;
- (b) the goods and services purchased with these expenditures have been procured in accordance with the applicable procurement procedures agreed with the Fund pursuant to the said Loan Agreement and the cost and terms of purchase thereof are reasonable;
- (c) the said goods and services were or will be supplied by the supplier(s) specified in the attached Summary Sheet(s) and

were or will be produced in (or, in the case of services, supplied from) the eligible source country (countries) for the Fund's loan.

- (d) as of the date of this request there is no existing default under the Loan Agreement, nor, to the best of the undersigned's knowledge and belief, under the Guarantee, if any.

4. Please reimburse the amount requested for herein by paying into the non-resident free yen account of (payee)

with
(name and address of an authorized foreign exchange bank in Tokyo)
(date of reimbursement).

5. This request consists of page (s) and
(number) (number)

signed and numbered summary sheet (s).

(Name of Borrower)

By
(Authorised Signature)

FORM: OECF-RMP-SS

Date

Loan No. I

App. Serial No. :

Summary Sheet No. _____

No. and Title of Category/Subcategory _____

(For more than ten items use additional sheet (s) with same number).

1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.	11.
Item No.	Delivery date	Country of origin	Description of goods and services	No. and date of supply contract or purchase order	Name and address of supplier	Date of payment	Amount-Paid In local currency	Amount Claimed Exch-ange rate per (Yen) Agreed portion (9/8, %)	Nature of payment made	Remarks
1.										
2.										
3.										
4.										
5.										
6.										
7.										
8.										
9.										
10.										
Total										

Note : Column 9 is to indicate, against each item, whether the payment is a down-payment, or an instalment payment (if so, the number of instalment) or the final payment in full settlement.

(Name of Borrower)

By: _____
(Authorised signature)

OECG-RMP-1

Our payment commission amounts.....
(currency and amount)

Commercial Bank's Report of Payment

Date :

Payment was effected against delivery of the documents as specified in and in accordance with the terms and conditions of the Letter of Credit mentioned above evidencing shipment of.....:

To :

(Name and address of Borrower or
Borrower's Representative)(general description of the merchandise including the
quantity, etc.),

Gentlemen :

fromto.....
(port of shipment) (designation)We report having paid the sum of.....
(Currency and amount)on.....
(date of payment)Ocean documents have been forwarded to our above-men-
tioned correspondent bank. Copy of the supplier's invoice is
attached.to
(name of supplier with address)

under L/C No.....established by.....

(name and address of correspondent bank)

for account
(name and address of buyer)

Yours truly,

(a commercial bank)

By
(Authorized signature)